वैशाख, शुक्ल पक्ष 3, वर्ष-10, अंक 106, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज, बुधवार 10 जुलाई, 2024

T M

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियो का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

प्रदेश आस/पास

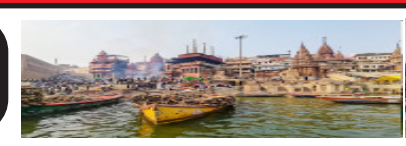

फूलपुर सीट पर इस जाति के प्रत्याशी पर दांव लगाएगी सपा इस बार फेरबदल संभव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा सीट से सपा इस बिरादरी के प्रत्याशी पर दांव लगा सकती है।

भाजपा नेता प्रवीण पटेल के सांसद बनने से अब फूलपुर विधानसभा सीट खाली हो गई है। अगले पांच माह के भीतर उपचुनाव होना है। दो बार से यहां भाजपा चुनाव जीत रही है। भाजपा नेता प्रवीण पटेल के सांसद बनने के बाद अब फूलपुर विधानसभा सीट खाली हो गई है। ऐसे में अगले पांच माह में विधानसभा उपचुनाव होना तय है। वर्ष 2017 से यह सीट भाजपा के पास है। लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने के बाद अब सपा की इस विधानसभा क्षेत्र पर विशेष नजर है। कुर्मी बाहुल्य होने की वजह से सपा इस सीट से कुर्मी बिरादरी का प्रत्याशी खड़ा करने पर विचार कर रही है। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पटेल भी पिछले दिनों पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में इसके संकेत दे चुके हैं। फिलहाल यहां अभी जिन नाम पर चर्चा हो रही है उसमें राजेंद्र पटेल, पूर्व सांसद धर्मराज पटेल, पूर्व विधायक मुर्तजा सिद्दीकी और इस बार का लोकसभा चुनाव लड़ चुके अमरनाथ मौर्य का नाम शामिल है। सपा मीडिया प्रभारी दान बहादुर का कहना है कि पार्टी के पास कई दिग्गज नेता है। जिसे भी प्रत्याशी बनाया जाएगा, उसकी जीत सुनिश्चित है। फिलहाल कुर्मी बाहुल्य फूलपुर भाजपा का प्रदर्शन इस बार के लोकसभा चुनाव में आशा के अनुरूप नहीं रहा। इस बार सपा प्रत्याशी अमर नाथ मौर्य को यहां 1,07,510 तो भाजपा को 89,650 मत मिले। लोकसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए सपा अब इस सीट से इस बार कुर्मी बिरादरी के प्रत्याशी को ही चुनाव लड़ाने का मन बना रही है। यहां पिछले कुछ चुनाव में सपा ने यादव या मुस्लिम प्रत्याशी को ही टिकट दिया है, लेकिन इस बार फेरबदल संभव है। फूलपुर विधानसभा जो पहले झूंसी विधानसभा के रूप में जानी जाती थी, उस सीट से पूर्व राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी भी निर्वाचित हो चुके हैं। वर्ष 1977 के विधानसभा चुनाव में केशरी नाथ त्रिपाठी पहली बार विधायक बने थे। तब वह जनता पार्टी के सिंबल पर निर्वाचित हुए थे।

प्रसार निदेशालय, शुआटस प्रयागराज मे आयोजित कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

शुआट्स विश्वविद्यालय कृषकों के हित के लिए सदैव तत्पर -प्रो0 (डा0) जोनाथन ए0 लाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नैनी/प्रयागराज। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेशन (आत्मा) योजनान्तर्गत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद सोनभद्र

मंच पर आसीन शुआट्स विश्वविद्यालय के अधिकारीगण
सौजन्य-आधुनिक समाचार नेटर्वक

के चयनित कृषकों का जो कि विभिन्न विकास खण्ड बभनी, म्योरपुर तथा दुद्धी का शुभारंभ दिनांक 09.07.2024 को सभागार, प्रसार निदेशालय में किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को आरंभ करने से पहले डा0 मुकेश पी0 मसीह ने प्रार्थना की तथा इस मौके पर प्रो (डा0) प्रवीन चरन, निदेशक प्रसार ने पुष्पमुच्छ देकर मुख्य अतिथि प्रो0 डा0 जोनाथन ए0 लाल, प्रति कुलपति शैक्षिक एवं विशिष्ट अतिथि प्रो0 डा0 विश्वरुप मेहरा, प्रति कुलपति प्रशासन का स्वागत कियाा इसी क्रम में परियोजना के नोडल अधिकारी डा0 टी डी मिश्रा ने निदेशक शोध प्रो0 डा0 एस डी मैकार्टी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया तथा इस कडी को आगे बढाते हुए उद्यान वैज्ञानिक डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह ने निदेशक विकास प्रो0 डा0 रीतू प्रकाश दूबे का स्वागत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रो0 डा0 जोनाथन ए0 लाल ने कहा कि शुआट्स विश्वविद्यालय कृषकों के हित के लिए सदैव तत्पर है - प्रो0 डा0 जोनाथन ए0 लाल यह विश्वविद्यालय वर्ष 1910 से किसानों से जुडा हुआ है और आगे भी किसानो के हित के लिए सदैव जुडा रहेगा। यदि किसी भी प्रकार की किसानों की समस्या कृषि संबंधित कोई भी समस्या आती है तो किसान निसंकोच फोन एवं विश्वविद्यालय आकर अपनी समस्या का समाधान पा सकते है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि प्रो0 डा0 विश्वरुप मेहरा, प्रति कुलपति प्रशासनिक ने अपने सम्बोधन में कहा कि कृषक पशिक्षण किसान और वैज्ञानिको का एक मंच है जिससे हम एक दूसरे के ज्ञान को साझा करते है आज की स्थिति में हमें परम्परागत खेती को छोडकर उन्नतशील खेती की ओर चलना होगा पहले तो हम इन सभी फसलों को अपने खेतों मे उगाते थे परंतु आज इन्ही की चर्चा की जा रही है। यदि इनकी खेती हम वैज्ञानिक विधि द्वारा करेगें तो निश्चय लाभ होगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। इस मौके पर प्रो0 डा0 एस.डी मैकार्टी निदेशक शोध ने बताया कि किसान हमारा अन्दाता है फिर भी उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नही है क्यों कि उन्नतशील खेती की ओर किसान को ध्यान देना होगा, खेती के नये आयामों को अपनाना होगा तो किसान लाभ प्राप्त कर सकते है क्योकि आज का युवा ग्रामों से पलायन कर रहा है जिससे कृषि में असुविधायें आ रही है। यदि कृषि को हम एक व्यवसाय खेती करें तो निश्चित रुप से लाभ प्राप्त कर सकते है। इस मौके पर प्रो0 डा0 रीतू प्रकाश दूबे, निदेशक विकास ने कहा कि हमलोग खेती में बहुत मेहनत करके अपनी फसल तैयार करते है और बाजार एवं मण्डियों मे भेज देते है। यदि हम इस फसलों की पैकेजिंग एवं कुटीर करें तो अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते है और युवा वर्ग गांव से पलायन करने से भी बचेगा तथा महिला किसानों को भी राजगार के अवसर प्राप्त होगें। कार्यक्रम के अंत मे आये हुए अतिथियों तथा किसनों का धन्यवाद ज्ञापन डा0 शिशिर कुमार के द्वारा किया गया एवं इस मौके पर वैज्ञानिक डा0 सरवेन्द्र कुमार ने पशुपालन विषय पर जानकारी देते हूए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों मे आमदनी का सीधा सम्बन्ध पशुओ के उत्तम स्वास्थय एवं उत्पादन क्षमता से है। खनिज लवणों की कमी से पशु का स्वस्थ्य प्रथावित होता है। अतः खनिज लवणों की पशुओं के पोषण में उपयोगिता का पूर्ण ज्ञान होना अति आवश्यक है। पशुओं के उत्तत स्वास्थय को बनाये रखने के लिए मुख्य खनिज लवण जैसे कॉपर कोबाल्ट, लोहा, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, आयोडीन, पोटैशियम, सोडियम, सल्फर, फास्फोरस और सिलिनियम आदि को बनाये रखने के लिए सभी खनिज लवण अति अवाश्यक है। किसी एक खनिज लवण की कमी भी पशुओं के स्वास्थ्य उत्पादन एवं प्रजनन क्षमता को पूर्ण या आंशिक रुप से प्रभावित करती है जिसका सीधा प्रभाव पशुओ के स्वास्थ्य एवं आमदनी पर पडता है। शस्य वैज्ञानिक डा0 शिशिर कुमार ने कृषकों को श्रीअन्न की उपयोगिता एवं उत्पादन तकनीक पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि देश मे पैदा की जाने वाली मुख्य श्रीअन्न की फसलों मे ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो, कुटकी, सांवा की खेती की जाती है। अलवायु परिवर्तन के दष्किोण से भी ये फसले अत्यन्त ही उपयोगी है जो सूखा सहनशील, अधिक तापमान कम पानी की दशा मे और कम उपजाऊ मुद्रा में भी आसानी से अच्छा उत्पादन दे सकती है। उन्होने श्रीअन्न की फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक की विसतारपूर्वक जानकारी किसनो को दी।

तनाव को देखते हुए पुलिस छावनी में तब्दील हुआ अचकवापुर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। हत्यारोपी सर्वेश के परिवार के सभी सदस्य घर छोड़कर

चले गए है। स्थिति यह है कि उसके घर के पशुओं को चारा पानी डालने वाला कोई नहीं है। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। परिवार के लोग बिना मांग पूरी हुए शव का अंतिम संस्कार न करने पर अड़े है। अपना दल नेता इंद्रजीत पटेल की मौत के बाद गांव में सननटा पसरा हुआ है। तनाव को देखते हुए गांव में कई थानों की फोर्स तैनात कर दी गई है। हत्यारोपी सर्वेश के घर में ताला लटका हुआ है। परिवार के सभी सदस्य घर छोड़कर चले गए है। स्थिति यह है कि उसके घर के पशुओं को चारा पानी डालने वाला कोई नहीं है। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। परिवार के लोग बिना मांग पूरी हुए शव का अंतिम संस्कार न करने पर अड़े है। मुआवजे की रकम निर्धारित करने और पट्टे की जमीन की मांग कर रहे है। बता दें कि अब्दालपुर खास अचकवापुर गांव में रविवार सुबह अपना दल एस के कार्यकर्ता इंद्रजीत पटेल उर्फ मोनू (27) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

भोले बाबा समेत 20 ढोंगी संतों को ब्लैक लिस्ट करेगा अखाड़ा परिषद, सूची में इनके भी नाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने बताया कि खुद को त्रिकालदर्शी, भगवान, परमब्रह्म और ईश्वरीय अवतार बताकर जनता को ठगने वाले बाबाओं को काली सूची में डाला जा रहा है। इनमें नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा, सेक्स सीडी कांड में फंसने के बाद दक्षिणी अमेरिका के इक्वाडोर में अलग देश बसाने का दावा करने वाले स्वामी नित्यानंद, बाबा राम रहीम समेत 20 से अधिक बाबा शामिल हैं हाथरस कांड से सुखिर्यों में छाए नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा समेत 20 ढोंगी बाबाओं को ब्लैक लिस्ट करेगा। सभी 13 अखाड़ों के बीच इसकी सहमति बन चुकी है। कुंभ मेला प्रशासन के साथ 18 जुलाई को होने जा रही बैठक में अखाड़ा परिषद की ओर से इसका प्रस्ताव रखा जाएगा। मेला अधिकारी को कहा जाएगा कि इन ढोंगी स्वयंभू बाबाओं को मेले में बसने में भूमि और सुविधाएं न दी जाएं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष

महंत रवींद्र पुरी के मुताबिक भोली भाली जनता को भ्रमित कर अपने भक्तिजाल में फंसाने वाले तरह-तरह के रूपों वाले पाखंडी बाबाओं की सूची अखाड़ा परिषद ने तैयार कर ली है। ऐसे ढोंगी बाबाओं को महाकुंभ में अपनी दुकानें नहीं सजाने देंगे। इस बारे में सभी तेरह अखाड़ों के प्रतिनिधियों की सहमति बन चुकी है कि पाखंडी बाबाओं की सूची जारी की जाए ऐसे ढोंगी बाबाओं को महाकुंभ में बसने के लिए भूमि और शिविर की सुविधाएं नहीं दी जाएं, इसकी मांग मेला प्रशासन के समक्ष रखेंगे। दरअसल, मेला प्रशासन कुंभ में बसने वाली धार्मिक संस्थाओं, महामंडलेश्वरों का सर्वे कराने में जुट गया है। संतों के आवेदन भी आने शुरू हो गए हैं। अगले महीने आवेदन के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी खुल जाएगा। हाथरस कांड होने पर अखाड़ा परिषद भी धर्म के नाम पर पाखंड करने वाले बाबाओं के खिलाफ सक्रिय हो गया है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने बताया कि खुद को त्रिकालदर्शी, भगवान, परमब्रह्म और ईश्वरीय अवतार बताकर जनता को ठगने वाले बाबाओं को काली सूची में डाला जा रहा है। इनमें नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा, सेक्स सीडी कांड में फंसने के बाद दक्षिणी अमेरिका के इक्वाडोर में अलग देश बसाने का दावा करने वाले स्वामी नित्यानंद, बाबा राम रहीम समेत 20 से अधिक बाबा शामिल हैं।

भाजपा नेता की सराफा की दुकान में उचक्कागिरी, गहने देखने आई महिला चुरा ले गई बाली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। वाराणसी जिले में भाजपा नेता की सराफा की दुकान में गहने देखने के लिए आई महिला ने चूना लगा दिया। वह गहने देखने के दौरान चांदी की एक बाली लेकर फरार हो गई। शक होने पर दुकान पर मौजूद नेता के बेटे ने सीसीटीवी फुटेज देखा तो सच्चाई सामने आई।

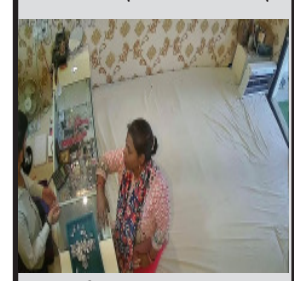

वाराणसी के सारनाथ थाना के रसूलगढ़ में पूर्व पार्षद दारानगर और भाजपा के महानगर मीडिया प्रभारी किशोरी सेठ की सराफा की दुकान है। सोमवार की शाम जब उनका पुत्र अमन सेठ दुकान में बैठकर दुकानदारी कर रहा था तब एक महिला दुकान में आई। महिला सोने-चांदी के आभूषण देखते समय चांदी की बाली लेकर निकल गई। दुकान पर बैठे अमन को महिला पर शक हुआ तो उसने सीसीटीवी फुटेज को देखा। फुटेज में महिला बाली ले जाते हुए दिखी। घटना की लिखित शिकायत मंगलवार को भाजपा नेता किशोर सेठ द्वारा सारनाथ थाने पर की गई।

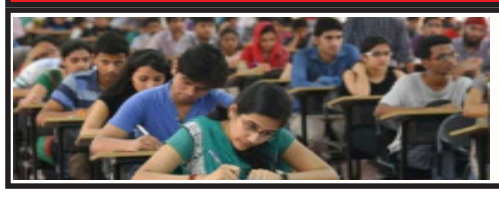

संक्षिप्त समाचार

कृषि उत्पादकता बढ़ाने और सप्लाई चेन सुधार पर जोर दे सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान मोदी सरकार को कृषि उत्पादकता बढ़ाने और खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए सप्लाई चेन में सुधार पर जोर देना चाहिए। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की सदस्य आशिमा गोयल ने कहा कि स्थिर सरकार की वापसी के साथ मजबूत विकास और घटती मुद्रास्फीति की संभावनाएं बनी हुई हैं। आशिमा गोयल कहा कि इनमें से कई के लिए राज्यों के साथ अच्छे समन्वय की आवश्यकता है। खुदरा मुद्रास्फीति पर एक सवाल का जवाब देते हुए गोयल ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति पिछले कुछ वर्षों में कम मुद्रास्फीति और मजबूत विकास दोनों को इसलिए बनाए रखने में कामयाब रही है क्योंकि इसने वास्तविक ब्याज दरों को संतुलन स्तरों से विचलित नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, चूंकि अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है, इसलिए निरंतरता बहुत महत्वपूर्ण है। गोयल ने जोर दिया कि स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, न्यायालयों, पुलिस व्यवस्था के साथ-साथ बुनियादी ढांचे में क्षमता का विस्तार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए कृषि उत्पादकता में वृद्धि और मजबूत सप्लाई चेन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इनमें से कई के लिए राज्यों के साथ अच्छे समन्वय की आवश्यकता है। खुदरा मुद्रास्फीति पर एक सवाल का जवाब देते हुए गोयल ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति पिछले कुछ वर्षों में कम मुद्रास्फीति और मजबूत विकास दोनों को इसलिए बनाए रखने में कामयाब रही है, क्योंकि इसने वास्तविक ब्याज दरों को संतुलन स्तरों से विचलित नहीं होने दिया। गठबंधन सरकारों और आर्थिक सुधारों के बीच संबंध से जुड़े एक सवाल के जवाब में गोयल ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता सरकार को दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाने में सक्षम बनाती है। हालांकि एक स्थिर गठबंधन भी उतना ही प्रभावी हो सकता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान एनडीए गठबंधन में दो मुख्यमंत्री (एन चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार) विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो एनडीए सरकार के प्राथमिक उद्देश्य से मेल खाता है।

जुलाई के लिए जारी हुए पेट्रोल-डीजल के नए दाम, आपके शहर में कितनी है 1 लीटर फ्यूल की कीमत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 9 जुलाई के लिए पेट्रोल-डीजल की नई कीमतों को जारी कर दिया है।फिलहाल इन कीमतों

में कोई बदलाव नहीं है। बता दें कि सरकार फ्यूल की कीमतों पर टैक्स लगाती है जिस कराण हर शहर में फ्यूल की कीमतें अलग-अलग होती है। मंगलवार के लिए ऑयल कंपनियों ने फ्यूल की कीमतों को जारी कर दिया है। फिलहाल फ्यूल की कीमतें स्थिर है लेकिन क्योंकि सरकार इस पर टैक्स लगाती है। इसके चलते हर शहर में फ्यूल की कीमतें अलग-अलग होती है। तेल कंपनियां रोज सुबह 6 बजे फ्यूल की कीमतों को अपडेट करती हैं। ऐसे में फ्यूल भराने से पहले शहर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को जांच लें। बता दें कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर सीधा प्रभाव क्रूड ऑयल की वैश्विक कीमतों का पड़ता है। ऐसे में गाड़ी की टंकी फुल कराने से पहले अपने शहर में फ्यूल की कीमतों को जांच लें। यहां हम हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉपोरेशन लिमिटेड की साइट द्वारा अपडेट की गई नई पेट्रोल और डीजल की कीमतों के बारे में जानेंगे। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल की कीमत 87.66 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.43 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.95 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.93 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.75 रुपये प्रति लीटर है। चेनन्ई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.32 रुपये प्रति लीटर है।नोएडाः पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर है। गुरुग्रामः पेट्रोल 95.17 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर है। बेंगलुरुः पेट्रोल 102.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.92 रुपये प्रति लीटर है। चंडीगढ़ः पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर है। हैदराबादः पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर है जयपुरः पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.33 रुपये प्रति लीटर है।

नौसेना के लिए राफेल खरीद पर हो रहा मोलतोल, 50 हजार करोड़ से ज्यादा हो सकती है सौदे की कीमत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नौसेना के लिए 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान की खरीद के लिए भारत सरकार फ्रांस इसमें विमानों की कीमत को लेकर काफी हद तक अंतिम निणज्य हो जाएगा। फ्रांस की ओर से इस सौदे के लिए 50 हजार करोड़ रुपये से

के साथ कड़ा मोलभाव कर रही है। 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के सौदे के लिए इन दिनों कंपनी और फ्रांस सरकार के अधिकारियों के साथ दूसरे दौर की वार्ता चल रही है। भारत को जल्द ही 26 समुद्री लड़ाकू विमान मिलने वाले हैं। भारत फ्रांस के साथ ये डील ऐसे समय पर कर रहा जब हिंद महासागर में चीन का खतरा बढ़ रहा है। भारत और फ्रांस के बीच 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमान दूसरे दौर की बातचीत सोमवार को शुरू हुई और अगले 10-12 दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। यह वार्ता 10-12 दिन चलने की उम्मीद है। ज्यादा मांगे जा रहे हैं जबकि भारत इसे 50 हजार करोड़ से कम में ही करना चाहता है। इस सौदे में विमानों को हथियारों के साथ लिया जाना है। प्रत्येक विमान में कई तरह की मिसाइलें लगाई जाएंगी। इनमें भारत की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल अस्त्र भी होगी। इस बातचीत से पहले नौसेना के विमानवाहक पोत पर राफेल मरीन विमानों के उतरने और उड़ान भरने की क्षमता को परखा गया है। इन प्रक्रियाओं को बेहतर करने के लिए विमानों में अलग से भी कुछ उपकरण लगाए जाएंगे। ताजा सौदे में निर्माण सामग्री की बढ़ी हुई महंगाई भी असर डालेगी।

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष आर्मस्ट्रांग की हत्या के बाद चेन्नई पुलिस कमिश्नर का तबादला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तमिलनाडु बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख के आर्मस्ट्रांग की हत्या के बाद से राज्य में बवाल

जारी है। अब इस घटना के तीन दिन बाद चेनन्ई पुलिस कमिशन्र का तबादला कर दिया गया है। एनडीआरएफ और सीआईएसएफ में कार्यरत आईपीएस अधिकारी संदीप राय राठौड़ की जगह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) ए अरुण लेंगे। तमिलनाडु एझ् अध्यक्ष की हत्या का मामला तूल पकड़ रहा है। अब इस घटना के तीन दिन बाद चेनन्ई पुलिस कमिशन्र का तबादला कर दिया गया है। संदीप राय राठौड़ का तबादला करते हुए उनकी जगह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ए अरुण को यह जिम्मेदारी दी है। तमिलनाडु पुलिस ने अब तक इस मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने शनिवार को कहा कि चेनन्ई में बहुजन समाज पार्टी के तमिलनाडु प्रमुख की हत्या के आरोप में 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। के आर्मस्ट्रांग की 5 जुलाई को उनके घर के पास बाइक सवार लोगों ने हत्या कर दी। बता दें कि दोपहिया वाहन पर सवार कुछ लोगों ने आर्मस्ट्रांग के आवास के बाहर उन पर हमला कर दिया था, चेनन्ई पुलिस इस मामले की लगातार जांच कर रही है। इस हत्याकांड में कल ही नया खुलासा हुआ और बताया जा रहा है के आर्मस्ट्रांग की हत्या के पीछे गैंगस्टर अर्कीट सुरेश के सहयोगियों की शामिल होने की आशंका है।

राहुल गांधी को संसद के अंदर बंद कर मारने चाहिए थे तमाचे', कर्नाटक के भाजपा विधायक का विवादित बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बेंगलुरु। कर्नाटक के भाजपा विधायक भरत शेट्टी ने सोमवार को विवादित बयान देते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को उनकी हिंदू विरोधी टिप्पणियों के लिए संसद के अंदर बंद कर तमाचे मारने चाहिए थे। यदि वह मंगलुरु शहर आएंगे तो हम उनके लिए यही व्यवस्था करेंगे। संसद के अंदर जोरदार थप्पड़ के बाद नेता प्रतिपक्ष ठीक हो जाएंगे। कर्नाटक के भाजपा विधायक भरत शेट्टी राहुल गांधी को लेकर एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के हिंदू वाले बयान को लेकर कहा है कि राहुल को संसद के अंदर बंद कर तमाचे मारने चाहिए थे। यदि वह मंगलुरु शहर आएंगे तो हम उनके लिए यही व्यवस्था करेंगे। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म और संस्थाओं की रक्षा करना भाजपा का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हाथ में भगवान शिव की तस्वीर थी। उन्हें

नहीं पता कि यदि भगवान शिव ने अपनी तीसरी आंख खोल दी तो वह राख में तब्दील बदल जाएंगे। उन्होंने हिंदू विरोधी नीति अपनाई है। इससे यह स्पष्ट है कि वह पागल आदमी हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म और संस्थाओं की रक्षा करना भाजपा का कर्तव्य है। कांग्रेस ने यह बताना शुरू कर दिया है कि हिंदू और हिंदुत्व अलग-अलग हैं। ऐसे नेताओं के कारण भविष्य में हिंदुओं को गंभीर खतरे का सामना करना पड़ेगा। वे ऐसी स्थिति पैदा कर देंगे कि हिंदू अपने घरों से बाहर नहीं निकल पाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष तमिलनाडु में नास्तिक बन जाते हैं और जब वह गुजरात जाते हैं तो भगवान शिव के कट्टर भक्त बन जाते हैं। शेट्टी ने कहा कि आम चुनाव में केवल 99 सीटें मिलने के बाद राहुल गांधी बड़ी उपलब्धि हासिल करने का दावा कर रहे हैं। शिवाजी और महाराणा प्रताप हिंदू थे। जब भी जरूरत होगी, हम हथियार निकाल लेंगे। हम अच्छी तरह से जानते है कि हथियारों की पूजा करने के बाद जवाबी कार्रवाई कैसे की जाती है।

'सदन में चुप रहकर बाहर टिप्पणी करना गलत', तीन आपराधिक कानूनों पर विपक्ष के बयान को लेकर धनखड़ ने सुनाई खरी-खरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तीन आपराधिक कानूनों पर कांग्रेस नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री

पी.चिदंबरम के तीखे बयान पर नए सिरे से हमला किया है। धनखड़ ने कहा कि आपकी चुप्पी से लगता है कि सदन में चुप रहकर बिना भाग लिए हुए अपना शामिल होना जाहिर कर रहे हैं। शनिवार के बाद से यह दूसरी बार है जब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तीन आपराधिक न्याय कानूनों- भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर अपनी टिप्पणी को लेकर चिदंबरम पर निशाना साधा है। उपराष्ट्रपति ने चिदंबरम का नाम लिए बिना कहा उन्होंने सदन (राज्यसभा) में कुछ नहीं कहा। वह समिति (गृह पर विभाग-संबंधित स्थायी समिति) के सदस्य थे। सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेना और बाहर टिप्पणी करना गलत है।सोमवार को उप राष्ट्रपति धनखड़ ने शनिवार से दूसरी बार चिदंबरम पर प्रहार करते हुए कहा कि उन्होंने (चिदंबरम ने) सदन (राज्य सभा) में कुछ नहीं कहा। वह समिति (गृह मंत्रालय से संबंधित स्थायी समिति) के सदस्य थे। अगर कोई समिति का सदस्य होता है तो वह उसके समक्ष अपने विचार रखता है। समिति बहुमत के आधार पर फैसला लेती है। सदस्य को अपनी बात सदन में रखने का अवसर मिलता है। वह तार्किक व मनाने की कवायद करके अपना पक्ष मनवाने का प्रयास करता है। धनखड़ ने राज्यसभा के इंटर्न के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि अगर आप अपने संवैधानिक दायित्वों का पालन ही नहीं करते हैं तो फिर आप अपना काम नहीं कर रहे हैं। लेकिन इसके बाद भी अगर आप बाहर कुछ कहते हैं तो यही संदेश देते हैं कि आपने एक दुलर्भ अवसर को गंवा दिया है। उल्लेखनीय है कि एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो चुके हैं।

जल्द सुलझेगा बंगाल में कुलपतियों का मसला वीसी अप्वाइंटमेंट के लिए सुप्रीम कोट ने पूर्व जज यूयू ललित को बनाया समिति का प्रमुख

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के पूर्व चीफ जस्टिस रह चुके यू यू ललित को पश्चिम बंगाल में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए समिति का प्रमुख नियुक्त किया है जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुइयां की पीठ ने निर्देश देते हुए समिति का गठन दो हफ्ते के भीतर करने का आदेश दिया। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि राज्य सरकार और राज्यपाल कार्यालय दोनों ही समिति के गठन पर सहमत हों। जस्टिस ललित के अलावा समिति में पांच सदस्य होंगे जो हर विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति के लिए अल्फाबेटिकल ऑर्डर में तीन नामों का पैनल तैयार करेंगे दरअसल, बंगाल की टीएमसी सरकार का राज्य के गवर्नर सी वी आनंद बोस के साथ राज्य के विश्वविद्यालयों के संचालन के तरीके को लेकर मतभेद चल रहा है। गवर्नर बोस राज्य सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने निर्देश देते हुए समिति का गठन दो हफ्ते के भीतर करने का आदेश दिया। पीठ ने इस बात पर गौर किया

कि राज्य सरकार और राज्यपाल कार्यालय दोनों ही समिति के गठन पर सहमत हों। जस्टिस ललित के अलावा समिति में पांच सदस्य होंगे, जो हर विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति के लिए अल्फाबेटिकल ऑर्डर में तीन नामों का पैनल तैयार करेंगे।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी करने के लिए तीन महीने का समय निर्धारित किया गया है। समिति की सिफारिशें, अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित, मुख्यमंत्री को प्रस्तुत की जाएंगी। पीठ ने कहा, ठअगर मुख्यमंत्री को कोई उम्मीदवार ठीक नहीं लगता है तो इसके टिप्पणी सहित दो हफ्ते के भीतर कुलाधिपति (राज्यपाल) को भेज दी जाएंगी।ठ इस समिति का पारिश्रमिक राज्य वहन करेगी। वहीं, पूर्व मुख्य न्यायाधीश ललित को समिति की हर बैठक के लिए तीन लाख रुपये मिलेंगे।

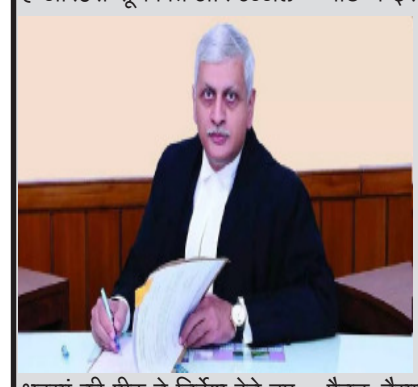

बालक बुद्धि' सिर्फ बीमार त्रासदी पर्यटन में व्यस्त', भाजपा नेता अमित मालवीय ने मणिपुर दौरे को लेकर राहुल गांधी पर कसा तंज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मणिपुर दौरे को लेकर भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोमवार को उन पर कटाक्ष किया। उन्होंने 'बालक बुद्धि' पर त्रासदी पर्यटन में व्यस्त होने का आरोप लगाया। मालवीय ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ठमणिपुर में जातीय संघर्ष कांग्रेस की विरासत है। कांग्रेस के सत्ता में रहने के दौरान दशकों तक राज्य में नागरिकों, पुलिस और सेना के जवानों की हत्या होती रही है।भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के मणिपुर दौरे को लेकर उनपर सोमवार को निशाना साधा। मालवीय ने कहा कि बालक बुद्धि सिर्फ बीमार त्रासदी पर्यटन में व्यस्त है। मणिपुर में जातीय संघर्ष कांग्रेस की विरासत है। कांग्रेस के सत्ता में रहने के दौरान दशकों तक राज्य में नागरिकों पुलिस और सेना के जवानों की हत्या होती रही है।भाजपा नेता ने कहा, ठ1990 में 300 लोग मारे गए। 1993 में 1,100 लोग मारे गए। 1997 में 400 लोग मारे गए। 2001 में 95 लोग मारे गए। 2003 में 140 लोग मारे गए।

2006 में 105 लोग मारे गए। 2008 में 200 लोग मारे गए। 2010 में 220 लोग मारे गए और 2012 में 165 लोग मारे गए। तीसरी बार विफल राहुल गांधी को भूल जाइए, क्या असम से राज्यसभा के सदस्य तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सहित किसी भी कांग्रेस नेता ने संघर्षग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया? बालक बुद्धि सिर्फ बीमार त्रासदी पर्यटन में व्यस्त है।राहुल गांधी की मणिपुर यात्रा की आलोचना करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा, ठप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले ही देश को बता दिया है कि केंद्र और राज्य सरकार ने किस तरह संकट से पार पाया है, राहुल गांधी अब सिर्फ राजनीतिक पर्यटन में लगे हुए हैं।ठ चुघ ने आगे कहा, ठराहुल गांधी जानबूझकर इस संवेदनशील राज्य में सस्ती राजनीति करते हुए क्षेत्र में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर उन्हें देश में कानून-व्यवस्था की इतनी चिंता है, तो उन्हें पहले बंगाल और तमिलनाडु का दौरा करना चाहिए था, जहां हिंसा बहुत ज्यादा हो रही है।चुघ ने प्रधानमंत्री की मास्को यात्रा को कमतर आंकने की कोशिश करने के लिए भी कांग्रेस नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा, ठजब प्रधानमंत्री देश की अंतरराष्ट्रीय शान बढ़ा रहे थे, तब कांग्रेस सिर्फ नाराजगी जता रही थी और भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही थी।

यूपी से लेकर बिहार तक आज झमाझम होगी बारिश, दिल्ली में भी बरसेंगे बादल; जानें अपने राज्य के मौसम का हाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में जमकर बारिश हो रही है और कहीं-कहीं अभी भी बारिश का इतंजार हो रहा है। दिल्ली में अभी भी लोगों को उमस भरी गर्मी का एहसास हो रहा है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद से लेकर गुरुग्राम तक बादल तो छाए रहते हैं, लेकिन बारिश नहीं हो रही। देश के कई राज्यों में जमकर वर्षा हो रही है। लेकिन दिल्लीवासियों को अभी भी उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के लोगों को अभी भी तेज बारिश होने का इतंजार है। वहीं दूसरी महाराष्ट्र असम और कर्नाटक में जमकर बारिश हो रही है जिसके कारण लोगों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली-एनसीआर में मौसम विभाग ने बारिश का अनुमान जताया है। आईएमडी यानी मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली-एनसीआर में आज बादल छाए रहेंगे और बारिश हो सकती है। दिल्ली में अगले तीन दिनों तक बारिश का पूर्वानुमान है। दिल्ली-एनसीआर के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। बारिश होने की वजह से गर्मी से राहत मिलेगी। वहीं, यूपी-बिहार में भी मानसून की बारिश होगी। पश्चिम बंगाल और झारखंड में भी आज बारिश की संभावना है। इधर, मायानगरी मुंबई में बारिश ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। दो दिन से मुंबई में लगातार बारिश हो रही है। मुंबई में भारी बारिश ने पूरे शहर में हाहाकार मचा दिया

है। सड़क, गलियां नदी और नालों में बदल चुके हैं। मुंबई में लगातार हो रही बारिश की वजह से उपनगरीय ट्रेन सेवाएं और हवाई यातायात बाधित हुआ है। यहां बारिश और जलजमाव से स्थिति यह हो गई है कि लोगों की जान बचाने के लिए एनडीआरएफ के साथ सेना तक उतर आई है। फिलहाल मुंबई में बारिश में किसी तरह की कोई कमी देखने को नहीं मिल नहीं रही है। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को मुंबई के लिए 'रेड' अलर्ट जारी किया है, जिसमें भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। निचले इलाकों में उच्च क्षमता वाले पंप लगाने के बावजूद बारिश के बाद हुए जलभराव के कारण मध्य रेलवे की सेवाओं में काफी व्यवधान आया। इससे हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, क्योंकि लोकल ट्रेनें घंटों तक पटरियों पर रुकी रहीं। मुंबई जाने वाली कई बाहरी ट्रेनें भी फंसी रहीं। दिन में सेवाएं बहाल करने के बाद, पटरियों पर जलभराव के कारण सोमवार रात को मध्य रेलवे की हार्बर लाइन सेवाएं फिर से स्थगित कर दी गई।दक्षिण-पश्चिम मानसून एक सप्ताह बाद फिलहाल बिहार में कमजोर पड़ गया है। मानसून कमजोर पड़ने पर अगले दो से तीन दिनों तक राज्य के तापमान में वृद्धि होने के आसार है। वहीं, उत्तरी बिहार के कुछ जिलों में इस दौरान हल्की वर्षा हो सकती है। वहीं, बीते सोमवार को राज्य में सबसे अधिक तापमान औरंगाबाद में 38.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। प्रदेश में न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में पिछले एक सप्ताह से जमकर बारिश हो रही है। इसकी वजह से अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री और न्यूनतम पारा 22 डिग्री से 25 डिग्री सेल्सियस बना है। हालांकि, रविवार से लखनऊ और आसपास के जिलों में मानसून की रफ्तार धीमी हुई है। अगले दो दिनों तक धूप के बीच बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। बूंदाबांदी के अलावा वर्षा के आसार नहीं हैं, लेकिन गुरुवार से मौसम फिर बदलेगा और लखनऊ में 14 जुलाई तक अच्छी बारिश होगी। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच और आसपास के इलाकों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ वज्रपात भी हो सकता है। कर्नाटक में भारी बारिश देखने को मिल रही है। जिसे लेकर प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। दक्षिण कनन्ड़ जिले में अगले 24 घंटे में भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर जारी 'रेड अलर्ट' को देखते हुए जिला प्रशासन ने मंगलवार को 12वीं तक के सभी विद्यालयों और कॉलेज को बंद रखने की घोषणा की है। जिला प्रशासन ने मंगलवार के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। आईएमडी के 'रेड अलर्ट' को देखते हुए जिला प्रशासन ने कहा कि मंगलवार (9 जुलाई) को सभी स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

शिकायतों की सुनवाई गुणवत्तापूर्ण ढंग से हो निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। 30प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका तत्कम में सोमवार को जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र प्रकाश से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। विजय कुमार यादव, अधिशासी

गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र में रूबी प्रसाद मा0 अध्यक्ष एवं विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। में 3, नगर पंचायत घोरावल में 3, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 4, नगर पंचायत चोपन में 2, नगर पंचायत ओबरा में 3, नगर पंचायत रेनुकूट में 0, नगर पंचायत पिपरी में 1, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बाजार में 2, नगर पंचायत अनपरा में 3, समस्त निकायों को मिलाकर कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई पेयजल व मार्ग अधिकारी/नोडल अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। जेई मनीष कुमार,सभासद अनवर अली,पप्पू दुबे, मनोज चौबे, आकाश रावत, सुजीत रावत आदि लोग मौजूद रहे।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन देने पर कर्मचारी संघ ने नपाध्यक्ष और ईओ का जताया आभार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखते हुए सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का जून माह का वेतन 410 रूपया प्रतिदिन के हिसाब से देने का आदेश दिया है।इससे पहले कर्मचारियों को 366 रूपया प्रतिदिन के हिसाब से दिया जाता था।ईओ जी लाल बताया है की कर्मचारियों का बढ़ा हुआ वेतन जुलाई माह में सभी कर्मचारियों के खाते में पहुंच जाएगा।बता दे भारतीय मजदूर संघ ने नपाध्यक्ष से मिलकर बढ़े हुए पैसे के अनुसार वेतन देने की मांग की थी।संगठन की मांग पर ही बढ़ा हुआ वेतन देने का निणर्य लिया गया है।मांग पूरा होने पर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अश्वनी कुमार,महामंत्री आनंद कसेरा, करण मलिक आदि ने नपाध्यक्ष और ईओ का आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

काशी के अनोखे देवता, डोली में आते हैं और कार में सवार होकर जाते हैं भगवान जगन्नाथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
काशी । काशी के इकलौते देवता भगवान जगननथ हैं, जो चार दिनों में तीन वाहन की सवारी करते हैं। भगवान जगननथ डोली में आते हैं और कार में सवार होकर जाते हैं। इधर, 10 साल से कहार नहीं मिलने के कारण भगवान को पुजारी कार में लेकर जाते हैं। काशी की परंपरा, प्रथा और रस्में पूरी दुनिया में अनोखी हैं। यही कारण है कि यहां नाथों के नाथ भी बालसुलभ भाव से भक्तों को दर्शन देते हैं। भक्तों के प्रेम में सनन करके बीमार पड़ते हैं और अज्ञातवास पर चले जाते हैं। भक्त भगवान के स्वास्थ्य लाभ के लिए काढ़े का भोग लगाते हैं और भगवान जब स्वस्थ हो जाते हैं।

जिलाधिकारी ने कृषि विभाग की बैठक कर विभिन्न योजनाओं के प्रगति की समीक्षा कर ली जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। कृषि विभाग द्वारा गठित एफ0पी0ओ0 के पदाधिकारियों से उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारण का दिया निर्देश बैठक में अनुपस्थित रहने पर सचिव मण्डी अहरौरा को शो-काज नोटिसगठित एफ0पी0ओ0 को सक्रिय करो हुये प्रशासनिक सहयोग देने के निर्देश के साथ ही दलहन, वर्मी कम्पोस्ट,डेयरी, ड्रैगन फ्रूड व मसाला पर कार्य करने हेतु दिया बल मीरजापुर 08 जुलाई 2024- जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार व कृषि विभाग के अधिकारियों व जनपद में कृषि विभाग द्वारा गठित एफ0पी0ओ0 के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विभिनन्‍ योजनाओं की समीक्षा करते हुये एफ0पी0ओ0 की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण का निर्देश दिया। बैइक में जिलाधिकारी द्वारा पी0एम0 फसल बीमा योजना, पी0एम0 कुसुम योजनान्तर्गत नामित कम्पनियों के कायी की समीक्षा, कृषक उत्पादक संगठन की निगरानी की प्रगति कार्य एवं सर्व मिशन आफॅ एग्रीकल्चर एक्सटेशन गर्वनिंग बोर्ड के बारे में विस्तृत समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने उपस्थित एफ0पी0ओ0 के पदाधिकारियों से उनके कायी में आने वाली समस्याओं से रूबरू होते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। विभिनन्‍ एफ0पी0ओ0 के द्वारा बताया कि एफ0पी0ओ0 के द्वारा क्रय किये जाने वाले चयनित कायी के लिये कृषि विभाग व विशेषकर मण्डी समिति द्वारा बनाए जाने वालें लाइसेंस में काफी दिक्कते आ रही है, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी व मण्डी समिति के सचिवो को कड़े निर्देश देते हुये कहा कि जारी किये जाने वाले लाइसेंस यह भी प्रक्रियाएं पूर्ण कराते हुये निर्धारित समयान्तर्गत निर्गत किए जाए। बैठक में सचिव मण्डी समिति अहरौरा के अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण मांग की गयी। जिलाधिकारी ने उप निदेशक कृषि को निर्देशित करते हुये कहा कि एफ0पी0ओ0 का सत्यापन कराते हुये यह सुनिश्चित करे कि एक सदस्य एक ही एफ0पी0ओ0 संगठन में कार्य करेगा तथा सक्रिय एफ0पी0ओ0 को प्रशासनिक सहयोग प्रदान करते हुये निष्क्रिय एफ0पी0ओ0 को सक्रिय किया जाए। उन्होने एफ0पी0ओ0 के पदाधिकारियों से कहा कि जमालपुर, सीखड़, मझवा व नरायनपुर विकास खण्ड वाराणसी के करीब होने के कारण कार्य करने की असीम सम्भावनाए हैं, चावल, सब्जी के साथ ही साथ ड्रैगन फूड, मसाला व डेयरी पर कार्य करने पर बल देते हुये कहा कि लालगंज व हलिया क्षेत्र में दलहन व तिलहन की दिशा में भी एफ0पी0ओ0 कार्य करें। यूपीडा से उपस्थित पदाधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि एफ0पी0ओ0 को अपने संस्थान में उप निदेशक कृषि के माध्यम से जाकर उन्हे यूपीडा के कायी व उत्पादित फसलो की पैकेजिंग आदि के बारे में विस्तृत जानकारी लें। फसल बीमा योजनान्तर्गत बताया गया कि कृषक अपने बीमा प्रीमियम अवश्य जमा करवा दे ताकि किसी भी परिस्थिति में फसल नुकसान का मुआवजा दिया जा सकें। उन्होने कहा कि बैंको द्वारा कैम्प लगाकर किसानो का के0सी0सी0 बनवाया जाए। सोलर पम्प की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष 15 जुलाई 2024 तक सभी सोलर पम्प लगा दिए जाए, यदि किसी एजेंसी द्वारा इसमें हीलाहवाली करता है तो उसे ब्लैक लिस्टेड करने की कार्यवाही भी की जाए। बैठक में कृषि यंत्रो की बुकिंग के लिये आनलाइन बुकिंग करने हेतु किसानो से कहा कि जाए ताकि ई-लाटरी के द्वारा उसका वितरण किया जा सकें। बैठक मे जैविक खेती कलस्टर योजना तथा कृषको विभिनन्‍ कृषि कायी हेतु प्रशिक्षण दिलाने का भी निर्देश दिया। बीज वितरण की भी समीक्षा करते हुये ढैंचा की खेती पर बल दिया गया। बैठक में उप निदेकश कृषि विकेश पटेल, जिला कृषि अधिकारी अवधेश कुमार यादव सहित सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

एक हफ्ते में नाले का कार्य कराए पूरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को जनसुनवाई सम्भव दिवस पर रूबी प्रसाद, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं विजय कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा नगर में जल निकासी की प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत वार्ड नं0 11, अम्बेडकर नगर स्थित पकरी में सी0एन0डी0एस0 द्वारा जल निकासी हेतु बनाये गये नाले का स्थलीय निरीक्षण किया गया। स्थलीय निरीक्षण में पाया गया कि पकरी में बने नाले का स्लोप सही न होने कारण समुचित ढंग से जलनिकासी नही हो पा रही है जिस पर अध्यक्ष द्वारा कड़ी नाराजगी जताते हुये मौके पर उपस्थित सी0एन0डी0एस0 के अधिकारी/कर्मचारी को निर्देशित किया कि नाले का स्लोप एक सप्ताह के अन्दर सही कराकर उक्त समस्या का निस्तारण कराये साथ ही यह भी निर्देशित किया कि धर्मशाला चौराहा से चण्डी तिराहा होते हुए ओवर ब्रिज की समाप्ति तक उपसा द्वारा निर्मित नाले के बेड को तोड़कर पकरी नाले के लेवल से मिलान करते हुए नये नाला का कार्य अतिशीघ्र कराकर नगर की जलनिकासी की समस्या से नगरवासियों को निजात दिलायें अन्यथा की स्थिति नियमानुसार अग्रेतर कार्यवाही की जायेगी जिसके लिये नाला निर्माण की कार्यदायी संस्था सी0एन0डी0एस0 उत्तरदायी होगी। उक्त अवसर पर वार्ड नं0 11 के सभासद प्रतिनिधि, सदस्यगण अनवर अली, मनोज चौबे, चन्द्रप्रकाश दूबे, एवं नगर पालिका के कर्मचारी सुजीत कुमार सफाई नायक, अजीत कुमार सिंह के साथ आशीष केशरी, अजय गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे। उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गयी।

सम्पर्क मार्ग पर रेल उपरगामी सेतु (आरओबी) का निर्माण की मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री से मुलाकात करते हुए जिले के विधानसभा क्षेत्र के विकास के विभिनन्‍ मुद्दों पर सौपा पत्र जिसमे विढंमगंज कोन नकटवार से झारखण्ड सीमा तक सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के संबंध में सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि हमारे विधानसभा क्षेत्र के विद्मगंज कोन नकतवार होते हुए झारखण्ड प्रदेश सीमा तक मार्ग जो प्रमुख जिला श्रेणी का मुख्य मार्ग है, जिसे पी0एम0जी0एस0वाई खण्ड लो0नि0वि सोनभद्र द्वारा 5.50 मी चौडाई में सुदृढ़ीकरण काफी पुर्व में किया गया था परन्तु मार्ग पर यातायात अधिक होने के कारण मार्ग जगह-जगह अत्याधिक क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे उधर की लगभग लाखों आबादी एवं अन्य प्रदेश से लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जिनका चौड़ीकरण एवं सुद्धीकरण कराया जाना जनहित में अतिआवश्यक है वही सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि राबर्ट्सगंज-पनूगंज मार्ग स्थित मार्ग से रेलवे पटरी गुजरती है। चूकी उक्त मार्ग काफी व्यस्त होने के कारण भारी संख्या में गाड़ीयों को आवागमन होता है। और पास में ही लोगों का निवास स्थान एवं मार्केट स्थित होने के करण जब भी रेलवे का फाटक बंद होता है तो घंटो जाम की स्थिति का सामना करना पड़ता है। यदि उक्त सम्पर्क मार्ग पर रेल उपरगामी सेतु (ैँ) का निर्माण कराकर समस्या का समाधान किया जा सकता है। व विषय- चोपन कोटा कोन खरौदी मार्ग के सी0सी0 मार्ग पेवमेन्ट के साथ सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि हमारे विधानसभा क्षेत्र के चोपन कोटा कोन खरौदी मार्ग के सी0सी0 पेवमेन्ट मार्ग के साथ सुदृढ़ीकरण किया जाना अतिआवश्यक है यह जिला का प्रमुख क्षेत्र का मार्ग है एवं अर्न्तराज्यीय मार्ग के झारखण्ड प्रदेश सीमा को जोड़ने वाली मार्ग है हमारे विधानसभा की लाइफ-लाइन रोड़ है। जिस पर हमारे विधानसभा की लाखों आबादी का आवगमन होता है जिसका सुदृढीकरण कराया जाना जनहित में अतिआवश्यक है।

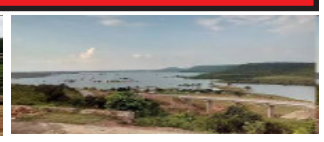

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मनाया राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मंगलवार को रावटसगंज नगर के आदर्श इंटर कॉलेज में जिला संयोजक मृगांक दुबे के नेतृत्व में राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व विभाग संगठन मंत्री अमित देव पांडे ने बताया कि आज के परिवेश में विद्याथिर्यों की भूमिका बताते हुए कहा कि एक विद्यार्थी के रूप में मनुष्य का देश के प्रति पहला कर्तव्य यह होता है कि वह अपनी शिक्षा उचित रूप से पूर्ण करें,दूसरा सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य हैं, देश के शक्तिबोध तथा सौंदर्यबोध को बढ़ाना,एक विद्यार्थी को अपने व्यवहार में सज्जनता रखनी चाहिए,देश के लिए अपने कर्तव्य को भलिभांति समझाना चाहिए।इस मौके कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आदर्श इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल संतोष मौर्य ने बताया कि एबीवीपी के घोषणापत्र में शैक्षिक और विश्वविद्यालय सुधार जैसे एजेंडा शामिल हैं,यह कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र-संघ चुनावों में प्रतिस्पर्धा करता है,इस अवसर पर जिला संयोजक मृगंग दुबे ने बताया कि यह संगठन छात्रों से प्रारंभ हो, छात्रों की समस्याओं के निवारण हेतु एक एकत्रित छात्र शक्ति का परिचायक है,विद्यार्थी परिषद् के अनुसार, छात्रशक्ति ही राष्ट्रशक्ति होती है,विद्यार्थी परिषद् का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय पुनर्निर्माण है,विभाग संगठन मंत्री रजनीश तिवारी ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् शिक्षा के व्यवसायीकरण के खिलाफ बार-बार आवाज उठाती रही है,इसके अतिरिक्त अलगाववाद, अल्पसंख्यक तुष्टीकरण, आतंकवाद और भ्रष्टाचार जैसी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के खिलाफ हम लगातार संघर्षरत रहे हैं,बिहार में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नाम सबसे ज्यादा रक्तदान करने का रिकॉर्ड है,पूर्व नगर अध्यक्ष सुशील मिश्रा ने बताया कि आजादी के बाद एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण और अपनी संस्कृति को बचाए और बनाए रखने के लिए पूरे देश ने एक विकसित और मॉर्डन देश का सपना देखा इस मौके पर सत्यम शुक्ला शिवेंद्र यादव हर्ष चौबे राज पांडेय रोहित सिंह आदि उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान के खिलाफ ग्रामीणों में दिखा जनाक्रोश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मंगलवार को ग्राम सभा बिच्छी में ग्राम प्रधान दुर्गेश प्रताप सिंह एवं जिला प्रशासन द्वारा अनदेखी करने के खिलाफ प्रदर्शन

किया गया ग्राम सभा बिच्छी का मेन रोड, कोटेदार वाला रोड, राजालाखन बाबा वाला रोड किचड़ पानी से भरा हुआ है ग्राम प्रधान का कहना है कि इस मुहल्ले से हमको वोट नहीं मिला है जिस मुहल्ले की जनता हमारा सम्मान की है विकास भी उसी मुहल्ले में होगा इसी कारण से ग्राम प्रधान द्वारा जो लोकनिर्माण विभाग द्वारा सन् 1999 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सम्पर्क मार्ग योजना के तहत काला स्टोन लगाया गया था जो अभी तक टस का मस भी नहीं हुआ उस पत्थर के उपर इन्टरलाकिंग कराया जा रहा है वो भी वहां जहां किसी भी प्रकार के निर्माण का कोई आवश्यकता नहीं है जबकि मेन रोड कैलाश गुप्ता के घर से रामविलास गोंड के घर तक, कोटेदार वाला रोड प्रेम गोंड के घर से गुलाब बियार के घर तक,व राजालाखन बाबा वाला रोड बच्चा बियार के घर से राममूर्ति गुप्ता के घर तक हमेशा पानी व किचड़ से भरा रहता है जबकि तीनों रोड़ों पर हमेशा आवागमन लगा रहता है ग्रामीणों द्वारा ग्राम प्रधान से रोड,नाली निर्माण कराने को कहने पर ग्राम प्रधान द्वारा बताया जाता है कि जो मुहल्ला हमारा सम्मान किया है हम भी उसी मुहल्ले का काम करेंगे आज के प्रदर्शन में बताया गया कि अगर हमारी समस्या एक सप्ताह के भीतर नहीं सुनी गई तो हम सभी ग्रामीण जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की रहेगी उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से सोमारु विश्वकर्मा, प्रेमनाथ वर्मा समाजसेवी रमेश यादव, कैलाश बियार, बबलू प्रजापति,दुधनाथ यादव, बल्ली यादव, जित्तू, रवि, पंकज, गुलाबी, सुशीला,धीरज, बृजभान, रिंकू, सुरेन्द्र, दुर्गा प्रसाद आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

छोटा बेटा ही निकला मां-बाप और भाई का कातिल, इसलिए परिवार से था नाराज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में तिहरे हत्याकांड का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। माता- पिता और बड़े भाई की हत्या घर के छोटे बेटे ने ही की थी। इसकी वजह प्रेमिका से शादी न हो पाना बताई पत्रकार वार्ता कर तिहरे हत्याकांड का खुलासा मंगलवार को किया। हालांकि आरोपी किशोर है, ऐसे में पुलिस ने उसे मीडिया के सामने प्रस्तुत नहीं किया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त खुरपी सहित खून से सने कपड़ों को भी बरामद कर लिया

जा रही है। गाजीपुर जिले के नंदगंज थाना क्षेत्र के कुसुम्हीं कला (खिलवां) गांव में हुए तिहरे हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे में पर्दाफाश कर दिया। प्रेमिका से शादी न कराने से नाराज छोटे पुत्र ने ही पिता, मां और बड़े भाई की हत्या कर वारदात को अंजाम दिया था। खुरपी से पहले उसने मां, फिर पिता और भाई का गला काटकर मौत की नींद सुला दिया। एसपी ओमवीर सिंह ने है।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कुसुम्हीं कला (खिलवां) गांव में आयोजित कार्यक्रम में मुंशी यादव, बड़ा पुत्र रामाशीष और छोटा पुत्र भी गया था। वहां से तीनों रात करीब 11 बजे वापस चले आए। इसके बाद मां देवंती देवी व पिता मुंशी बिंद घर के बाहर सो रहे थे। जबकि बड़ा पुत्र रामाशीष घर के अंदर सोने चला गया। इधर, मौका देख छोटा पुत्र घर से निकल गया।

वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित की गयी मण्डलीय वृक्षारोपण समिति की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। प्रभारी मण्डलायुक्त/ जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में मण्डलीय वृक्षारोपण समिति की बैठक वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से की गयी। वीडियों कांफ्रेसिंग में मनीष मित्तल मुख्य वन संरक्षक के अलावा जनपद सोनभद्र व भदोही के मुख्य विकास अधिकारी सहित सभी मण्डलीय अधिकारी जुड़े रहें। बैठक में प्रभारी मण्डलायुक्त द्वारा मण्डल के प्रत्येक जनपदवार वृक्षारोपण हेतु गड्ढा खोदाई, पौध वितरण सहित अन्य कायी के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुये बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदेश में 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपदवार दिये गये विभागो के लक्ष्य के सापेक्ष पौधरोपण हेतु गड्ढा खोदाई का कार्य अभी से प्रारम्भ कर ले ताकि निर्धारित तिथि पर लक्ष्य के सापेक्ष पौधरोपण किया जा सकें। उन्होने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा सभी से ''एक पेड़ मां के नाम'' लगाने की अपील की गयी है, सभी नागरिकगण भी कम से कम एक-एक पौध रोपित कर इस अभियान को यादगार बनाए। प्रभारी मण्डलायुक्त ने कहा कि हाइवें, एन0एच0 की सड़को पर एक पटरी पर एक ही प्रकार के वृक्ष लगाए ताकि छाया के साथ-साथ सुन्दरता भी दिखाई पड़ें। मुख्य वन संरक्षक ने जानकारी देते हुये बताया कि 30 अलग-अलग प्रजातियों के पौधरोपण हेतु मण्डल के विभिनन्‍ नर्सरियों में कुल दो करोड़ सैतालिस लाख पौध उपलब्ध है, विभागवार पौध उठान के लिये नर्सरियों की सूची बनाते हुये विभाग आवंटित किये गये है सभी विभाग नामित नर्सरी से सम्पर्क कर पौध उठान समय से कर ले। उन्होने जल शक्ति व माध्यमिक शिक्षा विभाग के द्वारा गड्ढा खोदाई के कम प्रगति पर असांतेष व्यक्त करते हुये ससमय गडढा खोदाई करने का निर्देश दिया। उन्होने यह भी बताया कि प्रत्येक विभाग अधिकतम 18 जुलाई 2024 तक पौध का उठान अवश्य करा लें। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी मीरजापुर अरविन्द राज मिश्र के अलावा अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

स्पोर्ट्स

स्मृति मंधाना ने अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ पूरे किए 5 साल इस सोशल मीडिया पोस्ट से सबकुछ हो रहा क्लियर

विराट कोहली ने अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ लंदन में मंदिर के दर्शन किए और कीर्तन में शामिल हुए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम को टी20 वर्ल्डे कप चैंपियन बनाने वाले स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने हाल ही में अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ लंदन के इस्कॉन मंदिर में दर्शन किए और कीर्तन में शामिल हुए। विराट कोहली ने अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ लंदन के इस्कॉन मंदिर में कीर्तन में हिस्सा लिया। टी20 वल्ड कप 2024 का जश्न मनाने के बाद विराट कोहली लंदन रवाना हुए और अपने परिवार के साथ जुड़े। ध्यान दिला दें कि विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में 76 रन की मैच विजयी पारी खेली थी जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। भारतीय टीम के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2024 खिताब का जश्न मनाने के बाद विराट कोहली लंदन रवाना हुए और अपने परिवार के साथ खुशनुमा समय बिता रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें नजर आ रहा है कि विराट कोहली अपनी पत्नी अनुष्का के साथ इस्कॉन मंदिर में भगवान कृष्ण के दर्शन कर रहे हैं। इसके बाद इस सेलिब्रटी कपल ने कीर्तन में हिस्सा लिया। याद दिला दें कि विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में 76 रन की मैच विजयी पारी खेली थी। इस पारी के लिए कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। भारतीय टीम के चैंपियन बनने के बाद विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी। विराट कोहली कई मौकों पर परिवार को अपनी प्राथमिकता बता चुके हैं। भारतीय टीम जब टी20 वर्ल्ड कप 2024 चैंपियन बनी, उसके बाद कोहली को वीडियो कॉल पर परिवार से बातचीत करते हुए देखा गया था। कोहली ने भारतीय टीम के खिताबी जश्न में हिस्सा लिया और थके होने के बावजूद परिवार से जुड़ने के लिए वो लंदन रवाना हुए। विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल प्रारूप से संन्यास लिया और अब उनका पूरा ध्यान वनडे व टेस्ट प्रारूप पर रहेगा। कोहली की नजरें भारत को आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में विजेता बनाने पर रहेगी। इसके अलावा वो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब भी भारत की झोली में डालने के लिए प्रयास करेंगे। कोहली कुछ समय के लिए ब्रेक ले सकते हैं और फिर दमदार वापसी करना चाहेंगे।

अभिषेक शर्मा ने शतक जड़कर रिकॉर्ड्स बुक को हिलाया, ये कारनामा करने वाले बने पहले भारतीय खिलाड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक जमाकर रिकॉर्ड्स बुक को हिला दिया। शर्मा ने रविवार को जिंबाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में केवल 46 गेंदों में सात चौके और आठ छक्के की मदद से सैकड़ा जमाया। बाएं हाथ के बल्लेबाज 47 गेंदों में 100 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अभिषेक की पारी के दम पर भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में दो विकेट खोकर 234 रन बनाए। भारतीय टीम के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा ने रविवार को जिंबाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में अपने करियर का पहला शतक ठोककर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। अभिषेक शर्मा ने केवल 46 गेंदों में सात चौके और आठ छक्के की मदद से अपना पहला टी20 इंटरनेशनल सैकड़ा जमाया। जायसवाल जिंबाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल शतक जमाने वाले पहले भारतीय बैटर बने। पंजाब के अभिषेक शर्मा ने हरारे में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में 33 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया था। पचासा पूरा करते ही अभिषेक ने आक्रामक रुख अख्तियार किया और अगली 13 गेंदों में दो चौके और पांच छक्के की मदद से शतक पूरा किया। भारतीय बल्लेबाज की पारी का अंत वेलिंगटन मसाकाद्जा ने किया। चलिए बताते है कि अपनी इस विस्फोटक पारी में अभिषेक शर्मा ने क्या-क्या रिकॉर्ड्स बनाएं। अभिषेक शर्मा सबसे कम पारियों में टी20 इंटरनेशनल शतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गए है।

भारतीय टीम की साख दांव पर, द.अफ्रीका के खिलाफ सीरीज बराबर करने के लिए लगाना होगा एड़ी चोटी का जोर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चेन्नई। भारतीय महिला टीम तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में मंगलवार को यहां अंतिम मैच में जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान में उतरेगी तब उनके सामने जीत दर्ज कर इसे 1-1 से बराबर करने की चुनौती होगी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मंगलवार को तीसरा व अंतिम टी20 इंटरनेशनल मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम इस समय सीरीज में 0-1 से पिछड़ रही है। मेजबान टीम की कोशिश सीरीज बराबर करने की होगी जिसके लिए उसे एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। भारतीय टीम को उम्मीद होगी कि उसका गेंदबाजी क्रम अहम मैच में बेहतर प्रदर्शन करके दिखाए। इसके लिए हालांकि भारतीय गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा उठाना होगा, जिसके खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने पहले मैच में नौ विकेट पर 189 रन बनाकर 12 रन से जीत दर्ज की। दूसरे मैच में वर्षा के कारण भारत को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन गेंदबाजों ने इस मुकाबले में भी छह विकेट पर 177 रन लुटाए थे। तीसरे टी-20 में पर भी खराब मौसम का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि मंगलवार को भी वर्षा की 30 से 40 प्रतिशत संभावना है। दोनों मैचों में दो-दो विकेट लेने वाली पूजा वस्त्राकर और स्पिनर दीप्ति शर्मा को छोड़कर, अधिकांश भारतीय गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे है। रेणुका सिंह के पहले मैच में असरहीन रहने के बाद दूसरे मुकाबले में सजीवन सजना को मौका मिला लेकिन इससे भी टीम को कोई फायदा नहीं हुआ। श्रेयंका पाटिल और राधा यादव ने रविवार को एक-एक विकेट लिया, लेकिन यह दोनों गेंदबाज भी रन रोकने में नाकाम रहे। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चाहेंगी कि सीरीज दांव पर होने के कारण उनकी गेंदबाज कड़ी मेहनत करें। बल्लेबाजी के मोर्चे पर पहले मैच में भारतीयों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। जेमिमा रोड्रिग्स (अविजित 53), स्मृति मंधाना (46), हरमनप्रीत (35), शेफाली वर्मा (18) और दयालन हेमलता (14) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया। टी-20 में रविवार को पदार्पण करने वाली विकेटकीपर उमा छेत्री के टीम में बने रहने की संभावना है। टीम प्रबंधन बल्ले से उनके योगदान को देखना चाहेगा। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के लिए तजमिन ब्रिट्स ने लगातार दो अर्धशतक लगाकर शानदार लय में होने का सबूत दिया है। ब्रिट्स के अलावा, कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मारिजाने कैप और एनेके बाश ने भी तेजी से रन बनाए है। दक्षिण अफ्रीका की एकमात्र चिंता चोट से वापसी करने वाली बल्लेबाज क्लो ट्रायोन है। वह दोनों मैचों में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही है। बांग्लादेश में आगामी टी-20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ट्रायोन खुद को साबित करने के लिए बेताब होगी। भारतीय महिला टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), उमा छेत्री (विकेट कीपर), रिचा घोष (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, सजीवन सजाना, दीप्ति शर्मा, आशा शोभना, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, शबनम शकील, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव। दक्षिण अफ्रीका महिला टीमः लौरा वोल्वार्ट (कप्तान), तजमिन ब्रिट्स, मीके डि रिडर (विकेट कीपर), सिनालो जाफ्ता (विकेट कीपर), एनेके बाश, नादिन डि क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मारिजाने कैप, सुने लूस, क्लो ट्रायोन, अयाबोंगा खाका, मसाबाटा क्लास, एलिन-मारी मा?र्क्स, नानकुलुलेको म्लाबा और तुमी सेखुखुने।

आईसीसी अध्यक्ष का चयन नवंबर में होगा,बीसीसीआइ सचिव जय शाह के पास इतिहास रचने का मौका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का वार्षिक सम्मेलन इसी माह कोलंबो में होना है, लेकिन इसमें अध्यक्ष पद का चुनाव प्रस्तावित मुद्दों में शामिल नहीं है। आईसीसी का नया अध्यक्ष नवंबर में चुना जाएगा। दावेदारों में शीर्ष पर बीसीसीआई के वर्तमान सचिव जय शाह चल रहे हैं। आईसीसी के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नवंबर में होगा। इस समय अध्यक्ष पद के दावेदारों की लिस्ट में जय शाह सबसे आगे चल रहे हैं। जय शाह के पास आईसीसी अध्यक्ष बनकर इतिहास रचने का गोल्डन चांस होगा। वैसे जय शाह ने अब तक स्पष्ट नहीं किया है कि वो आईसीसी अध्यक्ष बनना चाहते हैं या नहीं। शाह के पास चुनाव में एक सबसे बड़ा फायदा है। अगर शाह इस पद को ग्रहण करते हैं तो वह क्रिकेट की शीर्ष इकाई के सबसे युवा अध्यक्ष बन जाएंगे। वह दुबई जाना चाहते हैं या नहीं, इसका निणय्र लेने के लिए उनके पास अब तीन माह होंगे। शाह ने अभी तक इस पर कुछ स्पष्ट नहीं किया है कि वह आईसीसी के अध्यक्ष बनना चाहते हैं या नहीं। वर्तमान आईसीसी अध्यक्ष न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का चार वर्षों का कार्यकाल पूरा होने वाला है। उन्हें बीसीसीआई के सचिव जय शाह का समर्थन प्राप्त है और अगर वह चाहें तो अगले कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि, अगर जय शाह स्वयं चुनाव लड़ते हैं तो उनका भी निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना लगभग तय है। आईसीसी ने हाल ही में अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर अपने संविधान में बदलाव किया है। अब अध्यक्ष दो वर्षों के तीन कार्यकाल के स्थान पर तीन वर्षों का दो कार्यकाल पूरा कर सकते हैं। इस तरह अगर शाह अपना तीन वर्षों का कार्यकाल पूरा करते हैं तो वह बीसीसीआई के संविधान के अनुरूप 2028 में बीसीसीआई के अध्यक्ष बन सकते हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच इस दिन खेला जाएगा हाई वोल्टेज मैच, 'रोहित ब्रिगेड' लाहौर में खेलेगी अपने सभी मुकाबले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईसीसी टी-20 विश्व कप चैंपियन बनने के बाद अब भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का अगला लक्ष्य चैंपियंस ट्राफी है। शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव जय शाह से हरी झंडी मिलने के बाद भारतीय टीम की कप्तानी का दारोमदार अगले एक वर्ष तक रोहित शर्मा के हाथों में ही रहने वाला है। भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला 1 मार्च 2025 को खेला जाएगा। यह भी जानने वाली प्रमुख खबर है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी ग्रुप मैच लाहौर में खेलेगी। वैसे यह तय नहीं है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान दौरे पर जाएगी या नहीं। मगर पीसीबी ने आईसीसी को टूर्नामेंट का प्रस्तावित कार्यक्रम भेज दिया है। वहीं, इस बीच अगले वर्ष 19 फरवरी से नौ मार्च तक होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्राफी में भारतीय टीम का पाकिस्तान दौरा अब तक तय नहीं है, परंतु पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी को टूर्नामेंट का प्रस्तावित कार्यक्रम भेज दिया है। इसके अनुसार भारत को एक मार्च को पाकिस्तान से भिड़ना है। इंग्लिश समाचार पत्र टेलिग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी की ओर से भेजे गए कार्यक्रम में टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच 19 फरवरी को मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। वहीं, भारतीय टीम अपना अभियान 20 फरवरी को बांग्लादेश के विरुद्ध शुरू करेगा। उसे 23 फरवरी को न्यूजीलैंड और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से एक मार्च को भिड़ना है। पीसीबी ने प्रस्तावित कार्यक्रम में सुरक्षा की पुष्टि से भारत के सभी ग्रुप मैच लाहौर में ही रखे हैं। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि भारतीय क्रिकेट टीम इस टूर्नामेंट में भाग लेने पाकिस्तान जाएगी या नहीं। अंतिम बार भारतीय टीम ने 2008 में पाक दौरा किया था। बीसीसीआई के एक सूत्र के अनुसार भारतीय टीम के पाक दौरे को लेकर अंतिम निणय्र केंद्र सरकार को लेना है। सरकार की ओर से अब तक इस पर निणय्र नहीं लिया गया है।

दादा आप तो महाराज हो फैंस ने सौरव गांगुली को कुछ इस अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के सबसे सफल कप्तानों में शुमार सौरव गांगुली आज अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। गांगुली का जन्म आठ जुलाई 1972 को कोलकाता में हुआ था। सौरव भारत के महान बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। वह बीसीसीआई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। दादा के नाम से मशहूर गांगुली को उनके जन्मदिन पर जमकर बधाइयां मिल रही हैं। पूर्व क्रिकेट जगत गांगुली को जन्मदिन विश कर रहा है। सौरव गांगुली ने उस समय टीम इंडिया की कप्तानी संभाली थी जब भारतीय क्रिकेट बुरे दौर से गुजर रहा था। वह टीम को बुरे दौर से बाहर निकालकर मजबूत स्थिति में ले गए। आज उन्हीं दादा का जन्मदिन है। उनके जन्मदिन पर क्रिकेट जगत से जमकर बधाइयां दी जा रही हैं। गांगुली के जिगरी दोस्त सचिन तेंदुलकर ने तो उन्हें खास अंदाज में बधाई दी है। गांगुली ने 1996 में टेस्ट डेब्यू किया था और अपने पहले ही मैच में क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स मैदान पर शतक जमाया था। यहां से गांगुली ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह लगातार रन करते गए और आगे बढ़ते रहे। आगे चलकर वह टीम के कप्तान बने और अपनी कप्तानी में टीम को साल 2003 में वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ले गए। इस दौरान उनके ओपनिंग पार्टनर रहे सचिन तेंदुलकर ने खास अंदाज में गांगुली को बधाई दी है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

स्मृति मंधाना ने अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ पूरे किए 5 साल इस सोशल मीडिया पोस्ट से सबकुछ हो रहा क्लियर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम की स्टार महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना की रिलेशनशिप कंफर्म मानी जा रही है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट तेजी से वायरल हुआ, जिसमें स्मृति मंधाना अपने कथित ब्वॉयफ्रेंड म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छाल के साथ केक काटती हुई नजर आ रही है। स्मृति मंधाना के रिलेशनशिप स्टेटस पर मुहर लगती हुई नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें स्मृति मंधाना अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ रिश्ते के पांच साल पूरे होने पर केक काटते हुए नजर आ रही हैं। म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छाल के साथ स्मृति मंधाना के रिलेशनशिप की खबरें समय-समय पर जोर पकड़ती हुई दिखी हैं। 27 साल की स्मृति मंधाना और 29 साल के पलाश मुच्छाल के रिलेशनशिप की खबरें समय-समय पर जोर पकड़ती रही, लेकिन दोनों ही सेलिब्रिटीज ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। मगर पलाश मुच्छाल के इंस्टाग्राम पोस्ट से साफ होता नजर आ रहा है कि स्मृति मंधाना के साथ उनके रिलेशन को पांच साल पूरे हो गए हैं। पलाश मुच्छाल ने स्मृति मंधाना के साथ केक काटने के दो फोटोज शेयर किया और कैप्शन में हैशटैग 5 लिखकर दिल का इमोजी बनाया है। इससे स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छाल के रिलेशन की खबर कंफर्म हो रही है और इस पोस्ट पर यूजर्स के जोरदार रिएक्शंस देखने को मिल रहे हैं। इससे पहले भी पलाश ने स्मृति मंधाना का एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें भारतीय क्रिकेटर पियानो बजाना सीख रही हैं और मुच्छाल उनके टीचर बने हुए हैं। बता दें कि स्मृति और पलाश के बीच रिलेशन की खबरें काफी समय से सामने आ रही हैं, लेकिन पांचवीं सालगिरह के मौके पर दोनों इसकी पुष्टि करते हुए नजर आ रहे हैं। पलाश मुच्छाल एक म्यूजिक कंपोजर और फिल्ममेकर हैं। पलाश की बड़ी बहन पलक प्लेबैक सिंगर हैं। वैसे, पलाश ने आशुतोष गोवारिकर निर्देशित फिल्म 'खेले हम जी जान से' में एक्टिंग भी कर चुके हैं। पलाश मुच्छाल ने 40 से ज्यादा म्यूजिक वीडियो किए हैं। वह रिक्शा नाम की वेबसीरीज और राजपाल यादव स्टारर अर्ध फिल्म का निर्देशन भी कर चुके हैं।

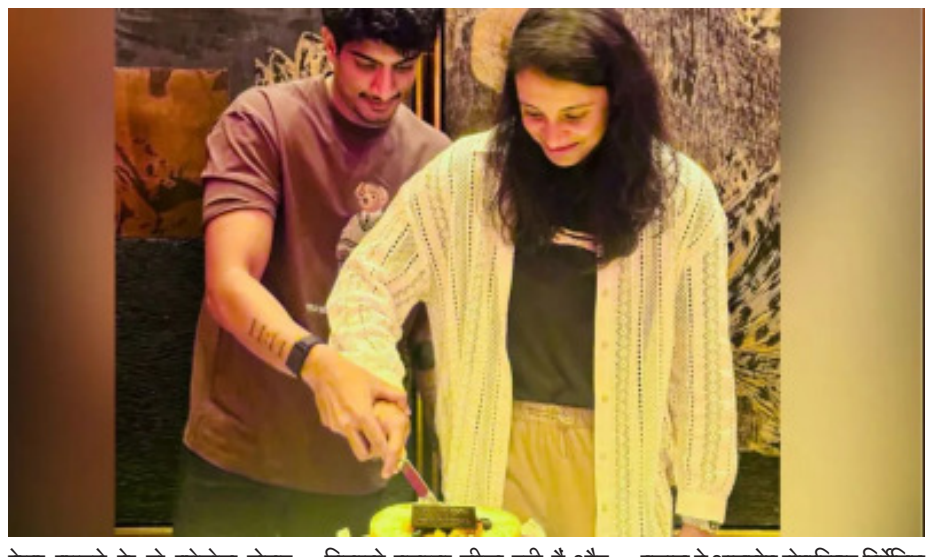

सम्पादकीय

प्लेग और कोरोना की साझी दुनिया

प्लेग से बचाव के लिए क्वारन्टीन की व्यवस्था की जा रही है, मगर क्वारन्टीन के नियम मानने को अधिकांश लोग राजी नहीं हैं। मुनादी के बावजूद लोग झुंड में घूम रहे हैं, मजे में खा-पी रहे हैं। क्वारन्टीन का मतलब है, दुकाने बंद, व्यापार ठप्प। दुकानदार इसके खिलाफ हैं। घर से नहीं निकलना। मुल्ला-मौलवी इसके खिलाफ हैं। चर्च कौन-सा इसके पक्ष में है? संक्रमण के नाम पर डॉक्टर, सैनिक किसी के भी घर में घुस कर जांच कर सकते हैं। उनका घर खाली करा कर उन्हें सेंटर भेज सकते हैं, जहां से लौटने की कोई आशा नहीं है। बची-खुची चीजों को आग के हवाले कर सकते हैं। अतः बीमारी छिपा कर लोग संक्रमण को बढ़ावा दे रहे हैं। हालात काबू से बाहर हो रहे हैं। लोगों को साफ-सफाई में नहीं प्रार्थना और गंडा-ताबीज में विश्वास है। संक्रमण के नाम पर लोगों को अलग करना पश्चिम का चोंचला है। सब सत्ता की साजिश है। लोग ऐसा व्यवहार करते दिख रहे हैं, मानो कुछ अनहोनी नहीं हो रही है। साथ ही जगह-जगह लायसोल का छिड़काव हो रहा है। लोग सामान बांध कर घर छोड़ कर जा रहे हैं। लोगों का हौसला टूट रहा है। लोग पटापट मर रहे हैं, इसके बावजूद कोई स्वीकारना नहीं चाहता है कि महामारी फैली हुई है। लोग डरे हुए हैं, लेकिन क्वारन्टीन के नियम मानने को राजी नहीं हैं। असल में सरकार, या मेयर, धनी-मानी, दुकानदार कोई क्वारन्टीन नहीं चाहता है। मर भले जाएं, आरामदायक जिंदगी अचानक समाप्त हो जाए, कोई इस बात को स्वीकारना नहीं चाहता।क्वारन्टीन से बचने के लिए घूस दी-ली जा रही है। जरूरत की चीजों की जमाखोरी, उसके साथ कालाबाजारी बढ़ गई है। मरने वाले के घर जाने की सख्त मनाही है। उसके कपड़े-लत्ते जला दिए जा रहे हैं। लोग अस्पताल जाने की बनिस्बत काढ़ा जैसे घरेलू इलाज पर निर्भर हैं।क्वारन्टीन से बचने के लिए घूस दी-ली जा रही है। जरूरत की चीजों की जमाखोरी, उसके साथ कालाबाजारी बढ़ गई है। मरने वाले के घर जाने की सख्त मनाही है। उसके कपड़े-लत्ते जला दिए जा रहे हैं। लोग अस्पताल जाने की बनिस्बत काढ़ा जैसे घरेलू इलाज पर निर्भर हैं। उपन्यास 'नाइट्स ऑफ प्लेग' यह सब पढ़ कर दो साल पहले का 'कोरोना 19 काल' का दृश्य आंखों के सामने घूम जाता है। यह कोरोना वायरस काल का नहीं बल्कि आज से करीब सवा सौ साल पहले का मंजर है, जिसे 2006 के नोबेल पुरस्कृत उपन्यासकार ओरहान पामुक ने 84 चैप्टर में लिखे, नवीनतम उपन्यास 'नाइट्स ऑफ प्लेग' में पिरोया है। एक साक्षात्कार में वे कहते हैं, जब वे आधा उपन्यास लिख चुके थे, तब कोरोना वायरस आया। वे प्लेग को केंद्र में रख कर उपन्यास लिखने की बात तो बरसों से सोच रहे थे। उनके मन में इससे जुड़ी तीन रचनाएं थीं, डैनियल डिफो का 'ए जरनल ऑफ द प्लेग इन्यर', एलेसान्ड्रो मैनजोनी का 'द बेट्रोथेड' तथा एल्बर कामू का 'द प्लेग'। इन तीनों रचनाकारों ने प्लेग काल देखा नहीं था। पामुक इस श्रृंखला में चौथा नाम अपना जोड़ना चाहते थे, मगर ऐसा हो न सका। उनके किताब पूरा करने से पहले दुनिया दहशत की गिरफ़्त में आ गई, कोरोना आ गया। उनके अनुसार उन्होंने अपना भय अपने पात्रों में पिरो दिया। साथ में वे बताते हैं, वे अपने उपन्यास के पात्रों से अधिक भयभीत थे। उनका भय समझा जा सकता है। इस्तांबुल में कोरोना से मरने वालों की पहली खेप में पामुक की 94 साल की बूढ़ी ऑन्ट भी थीं, जो महज उनके घर से दो ब्लॉक की दूरी पर रहती थीं। उनके एडीटर उन्हें उपन्यास जल्द समाप्त करने को कह रहे थे ताकि प्रकाशक कोरोना काल के नाम पर इसे भुना सकें। पामुक ने अपना उपन्यास 1901 में स्थापित किया है, इसके लिए इस बार उन्होंने अपना प्रिय स्थान इस्तांबुल नहीं चुना है, वरन कई अन्य साहित्यकारों की भांति अपना एक काल्पनिक टापू मिंघेरिया बसाया है, जो वास्तविक से अधिक वास्तविक लगता है, जहां खबरियों और जासूसों की कमी नहीं है। काल सुल्तान अब्दुल हामिद द्वितीय के ढ़हते साम्राज्य का है। सरकार जितना जकड़ने का प्रयास करती है बिखराव उतना बढ़ता जाता है। पामुक की अन्य कई किताबों की भांति यहां भी हत्याएं होती हैं, हत्याओं की गुत्थी सुलझाने केलिए इस किताब में शरलक होम्स की पद्धति अपनाने की बात कही जाती है। क्यों ऐसा कहा जा रहा है, स्वयं पढ़ कर जाने। मिंघेरिया की पच्चीस हजार की आबादी में आधे ईसाई थे, मुस्लिमों के अट्ठाइस सेक्ट थे। इनमें विचारों को लेकर सदैव टकराव रहता। एक-दूसरे पर विश्वास न था। मुस्लिम और यूनानी संग रहते हैं मगर वे एक-दूसरे को जानते-समझते नहीं हैं। प्लेग से बचाव के लिए क्वारन्टीन की व्यवस्था की जा रही है, मगर क्वारन्टीन के नियम मानने को अधिकांश लोग राजी नहीं हैं। मुनादी के बावजूद लोग झुंड में घूम रहे हैं, मजे में खा-पी रहे हैं। चर्च और मस्जिद जाने वाले लोगों को समझाना कठिन है। प्लेग के चूहे फेंकने की, प्लेग फैलाने की अफवाहें फैल रही हैं। कारागार का बुरा हाल है, जो एक बार वहां भेज दिया जाता है, दोबारा नजर नहीं आता है। '

राजनीतिक अनदेखी' से बाहर निकलेंगी वसुंधरा राजे

पार्टी नेतृत्व की ओर से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जयपुर आए थे। शाम के समय मुख्यमंत्री के नाम का एलान होना था। झालावाड़ से विधायक वसुंधरा राजे भी बैठक

में मौजूद थीं। मंच पर राजनाथ सिंह के साथ बैठी थीं। मुख्यमंत्री के नाम की पर्ची वसुंधरा राजे ने ही खोली थी, जिसमें सांगानेर से पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा का नाम था। रविवार का दिन था। मानसून की हल्की फुहारों के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास से बमुश्किल 500-600 मीटर दूर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के आवास पहुंचे। दोनों के बीच पूरा एक घंटा गहन मंत्रणा हुई। क्या बातचीत हुई? यह तो किसी को पता नहीं। इस मुलाकात को लेकर न वसुंधरा राजे और न ही भजनलाल शर्मा की ओर से सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट आई। न मुलाकात का फोटो या वीडियो जारी हुआ। क्या मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कदम को भाजपा की ओर से वसुंधरा राजे को मनाने का संकेत माना जाना चाहिए। ऐसा हो सकता है। यह जरूर कहा जा सकता है कि वसुंधरा राजे की राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर सक्रियता बढ़ने वाली है।पिछले साल दिसंबर में जब राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तो भारतीय जनता पार्टी बहुमत के साथ सत्ता में लौटी। उस समय मुख्यमंत्री को लेकर कई नाम हवा में तैर रहे थे। इनमें एक नाम वसुंधरा राजे का भी था। सबसे अधिक हलचल उनके सिविल लाइंस स्थित बंगले पर थी। 80 से ज्यादा चुनकर आए विधायक वसुंधरा राजे से मिलने पहुंचे थे। वसुंधरा राजे का आत्मविश्वास भी साफ झलक रहा था। भाजपा हाईकमान को राजस्थान में निणय लेने में अधिक समय भी लगा। सबसे अंत में राजस्थान में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हुआ। वो 12 दिसंबर 2023 की तारीख थी।उस दिन जयपुर में सर्द हवाओं के बीच भाजपा प्रदेश कार्यालय में सियासी पारा चढ़ा हुआ था। पार्टी नेतृत्व की ओर से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जयपुर आए थे। शाम के समय मुख्यमंत्री के नाम का एलान होना था। झालावाड़ से विधायक वसुंधरा राजे भी बैठक में मौजूद थीं। मंच पर राजनाथ सिंह के साथ बैठी थीं। मुख्यमंत्री के नाम की पर्ची वसुंधरा राजे ने ही खोली थी, जिसमें सांगानेर से पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा का नाम था। उस समय वसुंधरा राजे की बॉडी लैंग्वेज को लेकर बहुत कुछ कहा गया। वसुंधरा राजे वर्ष 2003 से 2008 और वर्ष 2013 से 2018 तक राजस्थान की मुख्यमंत्री रही हैं। वर्ष 2014 में उनके मुख्यमंत्री रहते पार्टी ने राजस्थान की 25 की 25 सीटें जीती थीं। वर्ष 2018 में वसुंधरा राजे के नेतृत्व में पार्टी जरूर राजस्थान में विधानसभा चुनाव हार गई थी, लेकिन उसका प्रदर्शन बहुत खराब नहीं रहा था। हालांकि, वर्ष 2019 में एक बार फिर पार्टी ने राज्य की सभी 25 सीटें जीत ली थीं। निश्चित रूप से दोनों बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई चेहरा था। हालांकि, कुछ श्रेय वसुंधरा राजे को भी मिला। फिर धीरे से वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर राजस्थान की राजनीति से दूर करने की कवायद शुरू हुई। वसुंधरा राजे ने भी पार्टी में सक्रियता को लेकर अपना दायरा सीमित कर लिया। उनको पार्टी में खास तवज्जो नहीं मिल रही थी। यह बात साफ-साफ दिख भी रही थी। यही कारण था कि उन्होंने पार्टी के अधिकांश कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखी। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव परिणामों ने एक बार फिर वसुंधरा राजे को ऑक्सीजन दी है, क्योंकि पार्टी की राजस्थान की 25 में से 11 सीटों पर हार हुई। ऐसा माना गया कि यदि वसुंधरा राजे केवल अपने बेटे दुष्यंत सिंह की सीट झालावाड़-बारां तक स्वयं को सीमित नहीं रखतीं और प्रदेश भर में पार्टी के लिए प्रचार करतीं तो परिणाम अच्छे हो सकते थे। इन परिणामों को लेकर पार्टी में आत्ममंथन, आत्मचिंतन और आत्मावलोकन के दौर चल रहे हैं। हालांकि, अब तक कोई ठोस कारण निकल कर नहीं आया है। यह भी संभव है कि पार्टी किसी ठोस कारण पर स्वयं पहुंचना भी नहीं चाह रही है। फिर अपने तीसरे कार्यकाल में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताकत पहले जैसी नहीं है। अब जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वसुंधरा राजे के आवास पहुंचे हैं तो कोई न कोई संदेश या संकेत के साथ वहां गए होंगे। कारण जो भी हो, लेकिन वसुंधरा राजे की स्थिति राजस्थान में एक बार फिर मजबूत होती दिख रही है। बहुत संभव है कि भजनलाल सरकार के आने वाले दिनों में निणयों में वसुंधरा राजे की सहमति या सलाह हो। वसुंधरा राजे ने दो बार राजस्थान की कमान संभाली है। उनके अनुभव की इस समय राजस्थान को सख्त आवश्यकता है। विशेषकर अनुभवहीन भजनलाल शर्मा को। स्पष्ट दिख रहा है कि वसुंधरा राजे की और अधिक अनदेखी शायद अब मुश्किल है।

जब सांसद अपनी मर्यादा भूलने लगें तो क्यों न संसदीय बहसों को संपादित करके प्रसारित किया जाए

लोकसभा टीवी अपने उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए लिखता है कि वह जीवंत लोकतंत्र के विभिनन्पहलुओं को निष्पक्ष प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन क्या तथ्यों से रहित वक्तव्यों के प्रसारण को निष्पक्षता के दायरे में रखा जा सकता है? ऐसे में क्यों न संसदीय बहसों को संपादित करके प्रसारित किया जाए?हाल की कुछ घटनाओं के चलते संसदीय कार्यवाही के लाइव टीवी प्रसारण पर सवाल उठने लगे हैं। संसदीय लोकतंत्र की गरिमा को बचाए-बनाए रखने वाले तबके में इसकी मांग उठने लगी है। इस वर्ग का मानना है कि अगर ऐसा नहीं किया गया, तो संसद की गरिमा घटेगी। अपने आचरण के चलते सांसदों का एक वर्ग लोगों की नजर में अपनी प्रतिष्ठा तो खो ही चुका है। लाइव प्रसारण के जरिये उनके मुखारविंद से जो शब्द संसद में झड़ रहे हैं, उससे स्थितियां उलझी हैं। इसे बिडबंना कहें या उलटबांसी कि जिस ब्रिटेन के हम करीब दो सौ साल तक गुलाम रहे, हमारा संसदीय लोकतंत्र भी उसी ब्रिटिश शासन प्रणाली की तरह है। वैसे शासन प्रणाली जो भी हो, अगर उसे अपना लिया, तो उसकी उच्च परंपराएं, उसकी गरिमा और मर्यादा को भी स्वीकार करना होगा। पूर्व उपप्रधानमंत्री देवीलाल कहा करते थे कि लोकतंत्र लोकलाज से चलता है। यानी महान परंपराओं और गरिमा को स्वीकार किए बिना कोई भी शासन सफल नहीं हो सकता। अगर लोक का भरोसा शासन प्रणाली से खत्म हो गया, तो उस प्रणाली पर सवालिया निशानों की झड़ी लग जाती है। ब्रिटिश संसद में एक परंपरा है कि संसदीय कार्यवाही से हटाए गए शब्दों को न तो कभी उद्धृत किया जा सकता है और न ही उसे रिपोर्ट किया जा सकता है। जाहिर है कि हटाए गए शब्द अमर्यादित, तथ्यहीन और गरिमा के विरुद्ध होते हैं। जब तक टेलीविजन नहीं था, पत्रकारों को संसदीय इम्बागी और कार्यवाही की रिपोर्टिंग के मायने गहराई से समझाए जाते थे। संसद या किसी संसदीय समिति के बयान की जानकारी होने के बावजूद उसे तब तक सार्वजनिक नहीं किया जा सकता था, जब तक कि संसद या संसदीय समिति द्वारा तय की गई समय सीमा खत्म न होती थी। मियाद पूरी होने के बाद ही वह

अखबार में छपता था। अखबारों के रिपोर्टर संसद की रिपोर्टिंग करते हुए सांसदों की उन बातों को भी सुनते ही थे, जिन्हें कार्यवाही से हटा दिया जाता था। लेकिन उनका उलेख वे अपनी रिपोर्टों में नहीं करते थे। इसका उद्देश्य था कि लोगों तक वही बातें पहुंचे, जो मर्यादित एवं तथ्यात्मक रूप से ठीक हों। लाइव प्रसारण के चलते अब जनता तक वे सारी बातें भी पहुंच रही हैं, जो तथ्यहीन हैं, और जिन्हें संसदीय कार्यवाही से निकाल दिया जा रहा है। उदाहरण के लिए, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण को रखा जा सकता है। उन्होंने अगिन्वीर, फसलों पर एमएसपी आदि पर तथ्यहीन बातें कीं। चूंकि लाइव प्रसारण के कारण उन्हें संसद के लाइव प्रसारण देखने वाले सभी लोगों ने देखा और सुना। इसके बाद भले ही उनकी बातों को कार्यवाही से हटा दिया गया हो, लेकिन जनता के बीच संदेश तो पहुंच ही गया। इसी तरह राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को पदेन सभापति जगदीप धनखड़ ने कई बार टोका, लेकिन नहीं मानने पर उनके भाषण के हिस्सों को एक्सपंज किया जाता रहा। यह कोई पहला मौका नहीं था, जब लाइव प्रसारण के दौरान सांसदों के ऐसे कई बयान देखे-सुने गए। अब ऐसे वाकये अक्सर होने लगे हैं। दिलचस्प है कि जब सांसदों को रोका जाता है, तो वे इसे अपने प्रति दुर्भावना बताते हैं। आरोप लगाते हैं कि उनका माइक बंद कर दिया गया। राहुल गांधी ने भी अपने भाषण से हटाए गए शब्दों को रखने की मांग की है। मौजूदा दौर में हर सांसद चाहता है कि वह संसद में जो भी बोले, उसका प्रसारण हो, ताकि उसके वोटरों के बीच यह संदेश जाए कि उसका सांसद दमदार है और जनता के मुद्दों को संसद में उठाता है। संसद की कार्यवाही का पहला प्रसारण 20 दिसंबर, 1989 को दूरदर्शन पर शुरू हुआ, तो शुरू में चुनिंदा संसदीय कार्यवाही को ही टीवी पर दिखाया गया। लेकिन 18 अप्रैल 1994 से लोकसभा की पूरी कार्यवाही को फिल्माया जाने लगा। उसी साल अगस्त में, कार्यवाही का सीधा प्रसारण शुरू किया गया। तीन नवंबर, 2003 को डीडी न्यूज लॉन्च होने पर दोनों सदनों के प्रश्नकाल का प्रसारण डीडी चैनलों पर एक साथ होने लगा। संसदीय कार्यवाही के लाइव प्रसारण के इतिहास में दो घटनाएं बहुत याद की जाती हैं। जब अक्तूबर, 1990 में भाजपा द्वारा समर्थन वापसी के बाद वीपी सिंह सरकार अल्पमत में आ गई, तो उन्होंने संसद में विश्वास मत प्रस्तुत किया था। उस पर दो दिनों तक चली बहस का दूरदर्शन ने लाइव प्रसारण किया था। 'अंतरात्मा की आवाज' पर वीपी सिंह का सांसदों से समर्थन मांगना बेहद चर्चित रहा। दूसरी घटना तेरह दिन की वाजपेयी सरकार के विश्वास मत पर हुई चर्चा से संबंधित है। विश्वास मत पर चर्चा का जवाब देते हुए वाजपेयी ने जो भाषण दिया, उसे उनके कालजयी भाषणों में से एक माना जाता है। इससे उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ी। इसके बाद से ही संसदीय बहसों में शामिल होते ही सांसद लाइव प्रसारण में दिखने की इच्छा पालने लगे। साल 2004 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की पहली सरकार आई।

नए कानून बनाना सही दिशा में एक कदम लेकिन अनसुलझे मुद्दों पर भी बात हो

औपनिवेशिक विरासत को खत्म करने और कानूनों को वर्तमान समय के अनुरूप बनाने का यह सही दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है, जिसकी प्रशंसा होनी चाहिए, लेकिन कुछ मुद्दे ऐसे हैं, जो अब भी अनसुलझे हैं। औपनिवेशिक दौर के प्रमुख आपराधिक कानूनों-भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम-की जगह लागू तीन नए कानून यानी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के तहत देश के विभिनन् हिस्सों में मामले दर्ज होना शुरू भी हो गए हैं। नए कानूनों में एफआईआर, जांच एवं सुनवाई के लिए अनिवार्य समय-सीमा तय कर दी गई है। अब लोग बिना थाना गए ही ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। देश के किसी भी थाने में जीरो एफआईआर दर्ज हो सकेगी। नए बीएनएस में नए अपराधों को शामिल किया गया है, जैसे-विवाह का वादा करके धोखा देने पर 10 साल तक की जेल, नस्ल, जाति-समुदाय, लिंग के आधार पर मॉब लिंचिंग मामले में आजीवन जेल तथा छीन-झपट के लिए तीन साल की जेल। यूएपीए जैसे आतंकवाद-रोधी कानूनों को भी इसमें शामिल किया गया है।

औपनिवेशिक विरासत को खत्म करना और कानूनों को वर्तमान समय के अनुरूप बनाने का यह ऐतिहासिक कदम प्रशंसनीय है, पर कुछ मुद्दे ऐसे हैं, जो अब भी अनसुलझे हैं। औपनिवेशिक काल के कानूनों में 1162 धाराएं थीं, जबकि नए कानूनों में 1059 धाराएं हैं। जाहिर है, अब कानून प्रवर्तन एजेंसियों को 2,221 धाराओं से जूझना होगा। बीएनएस जैसे मूल कानून को पहले दर्ज किए गए मामलों पर लागू नहीं किया जा सकता, इसलिए नए कानून के लागू होने से पहले के अपराधों को आईपीसी (भादंसं) के तहत निपटाया जाएगा, जबकि नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद किए गए अपराधों को बीएनएस के तहत निपटाया जाएगा। हालांकि बीएनएसएस एवं बीएसए जैसे प्रक्रियागत कानूनों को पहले दर्ज किए गए मामलों पर लागू किया जा सकता है। ऐसे में न्यायालय में उन सभी मामलों में विवाद होने की आशंका है, जो नए कानून के लागू होने से पहले दर्ज किए गए थे, लेकिन उनमें नए प्रक्रियात्मक कानून को लागू किया जाएगा। तीनों प्रमुख कानूनों में अलग-अलग राज्यों द्वारा अलग-अलग समय पर संशोधन किए गए हैं। मसलन, सीआरपीसी की धारा 357 (मुआवजा देने के आदेश से संबंधित) में आंध्र प्रदेश, बिहार, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की सरकारों द्वारा संशोधन किए गए। पिछले कुछ वर्षों में विभिनन् राज्यों द्वारा ऐसे कई संशोधन किए गए। ये संशोधन राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित और लागू किए गए, क्योंकि राज्य की विशेष जरूरतों के लिए ऐसा करना जरूरी पाया गया। नए लागू किए गए कानूनों में राज्यों द्वारा किए गए संशोधनों को शामिल नहीं किया गया है। कई गैर-भाजपा शासित राज्यों ने जब इन नए कानूनों का विरोध किया, तो केंद्र सरकार के अधिकारियों ने कहा है कि राज्य सरकारें सुरक्षा संहिता में अपनी ओर से संशोधन करने को स्वतंत्र हैं। नए कानून में गैर-कानूनी कृत्य और आतंकवादी कृत्य की परिभाषा एवं दंड को बीएनएस के दायरे में लाया गया है। तीन वर्ष से सात वर्ष के बीच कारावास की सजा वाले मामलों में प्रारंभिक जांच का प्रावधान समस्याओं का पिटारा खोल देगा, जहां पुलिस जांच करने से इन्कार कर सकती है, जिससे जनता में असंतोष पैदा होगा। बीएनएसएस की धारा 173(3) में कई अस्पष्टताएं हैं। इस बात की आशंका है कि इससे व्यापक भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, कानूनी बिरादरी की तरफ से भी सवाल उठाए जा रहे हैं कि जब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अदालत की सुनवाई होगी, तो बचाव पक्ष के वकील, जो अदालत में गवाहों से पूछताछ करेंगे, वे उस आरोपी के सीधे संपर्क में नहीं रह पाएंगे, जिसका वे प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। बीएनएसएस कानून के तहत कई प्रगतिशील प्रक्रियाओं के लिए डिजिटल तकनीक अनिवार्य है, जैसे तलाशी की वीडियोग्राफी और ई-कोर्ट कार्यवाही। जबकि अभी थानों, जांच अधिकारियों, अदालतों और जेलों में अब भी आवश्यक बुनियादी ढांचे, उपकरण और प्रशिक्षण उपलब्ध नहीं है। इसके लिए बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण, प्रणालियों और प्रोटोकॉल का विकास, विशेष तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण जरूरी है। ऐसे में ई-कोर्ट कार्यवाही और इलेक्ट्रॉनिक समन जैसे बीएनएसएस के प्रावधानों को लागू करना एक बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा, कई राज्यों में पुलिसकमिन्यों को नए कानूनों के बारे में पूरी तरह से प्रशिक्षित नहीं किया गया है। इससे उन्हें नए कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने में बाधा आएगी और प्रक्रियागत देरी तथा कानूनी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। ऐसी खबरें भी आई हैं कि नए मामले दर्ज करने में पुलिसकमिन्यों के पसीने छूट रहे हैं। अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम तथा आईसीजेएस के साथ इसके इंटरफेस को भी नए कानूनों के अनुरूप अपडेट नहीं किया गया है, जिससे परिचालन एवं तकनीकी संबंधी गंभीर चुनौतियां पैदा हो रही हैं। जांच के लिए फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने को अनिवार्य करना स्वागतयोग्य है और विभिनन् जांच प्रक्रियाओं में ऑडियो-वीडियो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तथा इलेक्ट्रॉनिक संचार को मंजूरी देना एक सकारात्मक कदम है। लेकिन प्रशिक्षण के अभाव में इन प्रक्रियाओं को अगर गलत तरीके से निष्पादित किया गया, तो अपराधी दोषमुक्त हो सकते हैं। नए कानून बनाना सही दिशा में एक कदम है, मगर अफसोस केवल इसका है कि इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए जिस गहन चिंतन व व्यापक विमर्श की आवश्यकता थी, जो नहीं किया गया। इंडियन पुलिस फाउंडेशन जैसी संस्था को भी पालिन्यामेंट्री कमिटी के सामने पेश होने का समय नहीं मिला। विरोधी दलों को यह शिकायत है कि जब उनके अधिकांश सदस्य सदन से निलंबित थे, उस समय इन्हें संसद में पारित किया गया। यह भी एक विरोधाभास है कि हमने क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के तीन बड़े कानून तो बदल दिए, परंतु पुलिस ऐक्ट, 1861 अब भी देश की जनता के गले की फांस बना हुआ है। नेशनल पुलिस कमीशन ने इसे बदलने की सिफारिश की थी, परंतु अभी तक यह कानून जैसे का तैसा बना हुआ है। नए कानून को लागू करने के लिए जो इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए, वह अभी उपलब्ध नहीं है। पुलिसकमिन्यों को ट्रेनिंग देने के बारे में बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, यह कहां तक सही है, यह तो समय ही बताएगा। संक्षेप में, सही दिशा में एक ठोस कदम उठाया गया है, परंतु जल्दबाजी में।

माफी नहीं मिलती, अर्जित करनी पड़ती है; अंतिम लक्ष्य 'अपने जीवन में शांति से रहना' है

माफी नहीं मिलती, अर्जित करनी पड़ती है। किसी ने आपको आहत किया, तो उसे माफ करने का कोई आधार भी 'तो होना चाहिए। माफ करना एक प्रक्रिया है, न कि लक्ष्य। एक रोज ग्रेगरी खेल रही थी कि उसके घुटने में तेज दर्द हुआ। जब उसने अपने माता-पिता को बताया, तो वे चिंतित होने के बजाय उसे डांटने लगे। दरअसल उसके माता-पिता दोनों नौकरी करते थे और दोनों ही बेहद महत्वाकांक्षी थे। ग्रेगरी को इसकी आदत थी। लेकिन घुटने का उसका दर्द बना रहा। उसने दर्द के साथ जीना सीख लिया। दशकों बाद ग्रेगरी को पता चला कि उसके घुटने के जोड़ में हड्डी का एक टुकड़ा फंसा है, जिसके लिए सर्जरी कराने की जरूरत थी। उसने सर्जरी कराई और अब वह स्वस्थ है। लेकिन वह सोचती है कि माता-पिता की उपेक्षा ने उसे किस हद तक प्रभावित किया। अब ग्रेगरी खुद डॉक्टर है, समझदार है। उसने सोचना शुरू किया कि क्या उसे अपने माता-पिता को माफ कर देना चाहिए। नैतिक मूल्य तो यही कहते हैं कि माफ कर देना ही बेहतर होता है। उसने सोचा कि दरअसल, माफ करना होता क्या है। रॉबर्ट एनराइट जैसे विद्वानों का कहना है कि माफ करना उन लोगों के प्रति अच्छाई दिखाना है, जिन्होंने आपके साथ अच्छा नहीं किया है। लेकिन ग्रेगरी सवाल उठाती हैं कि क्या यह नैतिक धारणा हर स्थिति के लिए सही होती है।गलती, करने वाले को माफ करने से करुणा, उदारता और प्रेम जैसे गुण मजबूत होते हैं। लेकिन जिसने आघात सहा है, उसका क्या? स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी फॉरगिवनेस प्रोजेक्ट के निदेशक और शोधकर्ता फ्रेडरिक लुस्किन का मानना है कि अंतिम लक्ष्य 'अपने जीवन में शांति से रहना' है। शांति के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता डेसमंड टूटू ने एक बार कहा था, माफी के बिना, सद्भाव के बिना हमारा कोई भविष्य नहीं है? तो क्या माफ करने का एक मात्र उद्देश्य यही है कि कड़वाहट से बचा जा सके? अपनी पुस्तक यू डॉन्ट नीड टू फॉरगिवः ट्रॉमा रिकवरी ओन योर ऑन टर्म्स में ग्रेगरी इसी विषय पर चर्चा करेंगी, जो अगले वर्ष प्रकाशित होगी। उनके अनुसार, क्षमा करना एक भावनात्मक प्रक्रिया है, न कि अंतिम लक्ष्य। ग्रेगरी कहती हैं कि यदि आप बेहतर महसूस करें, तो दिल दुखाने वाले को माफ कर दें या अच्छा नहीं लगे, तो माफ नहीं करें। डॉ. लस्किन कहते हैं कि माफी हासिल करनी पड़ती है, यह तत्काल नहीं मिलती। लोगों को शोक से उबरने में समय लगता है। ग्रेगरी ने अपने पिता को माफ नहीं किया है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

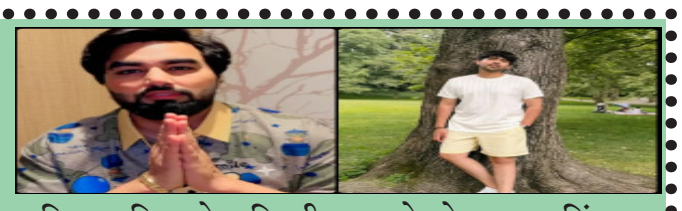

कृतिका मलिक के पति की वजह से परेशान हुए सिंगर अरमान मलिक, बोले- मेरा उससे कोई लेना-देना नही

सिंगर उषा उत्थुप के पति जानी चाको का निधन, दिल का दौरा पड़ने के कारण हुई मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मशहूर गायिका उषा उत्थुप के पति जानी चाको का निधन हो गया। सोमवार, 8 जुलाई को कोलकाता में उन्होंने अंतिम सांस ली। काडिय्क अरेस्ट उनके मौत की वजह बताई जा रही है। जानी चाको के निधन की खबर उनके परिवार वालो ने दी है। अपनी अनूठी आवाज के लिए जानी जाने वाली उषा उत्थुप पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके पति जानी चाको का निधन हो गया है। सोमवार को कोलकाता में उन्होंने अंतिम सांस ली। अचानक बेचैनी महसूस होने के बाद परिवार वाले जानी चाको को तुरंत नजदीक के अस्पताल में ले गए। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 78 वर्षीय जानी चाको घर पर टीवी देख रहे थे तभी उन्हें बेचैनी महसूस हुई, इसके बाद जानी चाको को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। डॉक्टर्स ने बताया कि काडिय्क अरेस्ट की वजह से उनकी निधन हुआ है। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार, 9 जुलाई को किया जाएगा। जानी चाको, उषा उत्थुप के दूसरे पति थे और म्यूजिक इंडस्ट्री

से दूर अपना कारोबार संभालते थे। वो चाय के बागानों के बिजनेस से जुड़े हुए थे। दोनों पहली बार 70 के दशक की शुरुआत में फेमस नाइट क्लब ट्रिनकास में मिले थे। जानी चाको अपने पीछे उषा उत्थुप के साथ एक बेटा और बेटी छोड़ गए हैं। उषा उत्थुप की शादी पहले दिवंगत रामू से हुई थी। उषा उत्थुप बॉलीवुड की मशहूर गायिका हैं। हिंदी के साथ उन्होंने कई अलग-अलग भाषाओं में गाने गाए हैं। उषा उत्थुप ने अपने संगीत करियर की शुरुआत 1969 में चेनन्ई के एक छोटे से नाइट क्लब से की थी। अपनी दमदार आवाज की वजह से उन्हें खूब पॉपुलैरिटी मिली और देशभर में कई बड़े नाइट क्लब्स में गाने का मौका मिला। इस दौरान दिल्ली के एक नाइट क्लब में दिवंगत अभिनेता देव आनंद की नजर उषा उत्थुप पर पड़ी। इसके बाद उन्होंने उषा उत्थुप को 1971 में आई फिल्म हरे रामा हरे कृष्णा से बॉलीवुड डेब्यू करने का मौका दिया।

सना खान ने हज पर रिवील किया बेटे का चेहरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फिल्मी दुनिया से संन्यास ले चुकीं सना खान की सोशल मीडिया पर खूब मौजूदगी है। शादी के बाद उन्होंने बॉलीवुड को गुडबाय कहा। पिछले साल अभिनेत्री एक बेटे की मां बनीं, जिसका नाम उन्होंने तारिक

जमील रखा है। एक साल तक सना ने अपने लाडले का चेहरा नहीं दिखाया है। अब उन्होंने आखिरकार अपने बेटे का चेहरा दुनिया को दिखा दिया है। फिल्मों से दूर अपनी पर्सनल लाइफ का लुत्फ उठा रही हैं। वह अपने पति अनस सैयद के साथ अक्सर हज पर जाती रहती हैं। इस बार वह अपने एक साल के बेटे तारिक जमील के साथ हज पर गई हैं। उन्होंने धार्मिक स्थल पर बेटे का चेहरा रिवील किया है।

खुद पर भद्दा कमेंट पढ़ तिलमिलाई आयशा खान जवाब में कहा- 'पता है देश में बेरोजगारी ज्यादा है लेकिन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीवी सीरियल्स में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम कर चुकीं आयशा खान (बैर्ष् र्खेह) को

विवादित शो बिग बॉस सीजन 17 से मिली है। वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के रूप में ही आयशा ने सारी लाइमलाइट चुरा ली थी।में नजर आ चुकीं जानी-मानी एक्ट्रेस बैर्ष् र्खेह सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। कई बार उन्हें बोल्ड फोटोज और डांस वीडियो के लिए ट्रोल किया जाता है। हाल ही में आयशा पर सोशल मीडिया यूजर्स ने भद्दा कमेंट किया जिससे तिलमिलाई एक्ट्रेस ने गुस्सा जाहिर करते हुए उन्हें करारा जवाब दिया है। जानिए उन्होंने क्या कहा। मगर पॉपुलैरिटी के साथ-साथ आयशा खान को ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ता है। कभी ड्रेसिंग सेंस के लिए उनकी आलोचना की जाती है तो कभी डांस वीडियोज के लिए। हाल ही में, अभिनेत्री ने कोची से खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन इसके लिए उन्हें ट्रोल किया गया है। यही नहीं, बॉडीकॉन ड्रेस पहनने के चलते एक यूजर ने एक ऐसा कमेंट कर दिया, जिस पर उन्होंने रिएक्ट किया है। आयशा खान ने कहा, ठमैं बस कमेंट्स पढ़ रही थी और सोच रही थी कि ये वही आदमी हैं जिनके बीच मैं रहती हूं, जो अगर मैं उनके सामने होती तो एक शब्द भी कहने की हिम्मत नहीं करते, लेकिन ये वो हैं, ये ऐसे ही सोचते हैं, ऐसे कमेंट्स हैं जिसमें कहा गया है 'क्या मजा आएगा इसका दुष्कर्म करने में' और बेशक यह जायज है क्योंकि मैं बॉडीकॉन ड्रेस पहनकर यही चाहती हूं?ठ एक और पोस्ट में बिग बॉस 17 फेम एक्ट्रेस ने कहा, ठलोगों को क्या हो गया है? क्या ये बेवकूफ लोग दूसरों को जीने नहीं दे सकते? इस पोस्ट में आयशा ने उस कमेंट का जवाब दिया है, जिसमें एक महिला उनके डांस को अश्लील बता रही है। आयशा ने उनसे पूछा कि अश्लीलता की क्या परिभाषा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या दिल खोलकर नाचना अश्लीलता है। उन्होंने कहा कि एक आदमी का गंदे कमेंट करना समझ आता है, लेकिन एक महिला कैसे कर सकती है। इसके आगे आयशा खान ने कहा, ठमैंने अपना करियर 17 साल की उम्र में शुरू किया था, एक जूनियर आर्टिस्ट के रूप में काम किया, अपना किराया खुद चुकाया और तब से अपना और अपने परिवार का ख्याल रखा। सीरियल, म्यूजिक वीडियो, एड्स किए हैं, अब तक 4 फिल्मों में काम किया है, (आप यह जवाब देकर कूल दिख सकते हैं कि आपने उनमें से कोई भी नहीं देखी है) लेकिन आपने दुनिया नहीं देखी है, इसका मतलब यह नहीं है कि दुनिया मौजूद नहीं है। आयशा खान ने ट्रोल्स को जवाब देते हुए लिखा, ठमैं 8वीं क्लास से ही अभिनय सीख रही हूं और ट्रेनिंग ले रही हूं। मैं डांस कर सकती हूं, खाना बना सकती हूं, मैं अभिनय कर सकती हूं और सबसे अच्छी बात यह है कि मैं आपसे बेहतर तरीके से अपना काम कर सकती हूं। अगली बार जब आपको किसी की आलोचना करने का मन करे, तो कोई और अकाउंट ढूंढ लें। आयशा ने आखिर में कहा, ठआपको आश्चर्य हुआ होगा कि मेरी इतनी ज्यादा इंगेजमेंट कैसे है? इसमें से कुछ आप जैसे लोगों की वजह से है, जिनके पास बैठने और कमेंट करने के अलावा कोई और काम नहीं है, मुझे पता है कि हमारे देश में बेरोजगारी की दर अभी बहुत ज्यादा है, लेकिन नौकरी या कम से कम एक जिंदगी पाने की कोशिश करें।

वेकेशन मोड में करीना कपूर खान बोल्ड फोटो से इंटरनेट पर लगाई आग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान उन स्टार्स में से एक हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ हर छोटी बड़ी चीज शेयर करती हैं। फिर चाहें वो उनकी फिल्मों को लेकर जानकारी हो या बच्चों को लेकर कोई पोस्ट। फिलहाल बेबो अपने परिवार के साथ छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। इसकी एक झलक अब उन्होंने फैंस को भी दिखाई है। करीना कपूर खान सुखिर्यो में आने का कोई मौका नहीं छोड़ती। वह कभी अपनी फिल्मों से तो कभी अपने सोशल मीडिया पोस्ट से लाइमलाइट लूट ही लेती हैं। अब एक बार फिर उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर कर आग लगा दी है। उनकी फोटो देखने के बाद न सिर्फ फैंस बल्कि उनकी बहन करिश्मा कपूर भी खुद को कमेंट करने से नहीं रोक पाईं।

करीना कपूर खान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर आज 8 जुलाई को एक मिरर सेल्फी शेयर की। इस सेल्फी में एक्ट्रेस का स्टनिंग लुक देखने को मिल रहा है, जिसे देखने के बाद बेबो के फैंस भी खुद को कमेंट करने से नहीं रोक पा रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखते हुए पूछा कि क्या आज सोमवार है। क्रू' एक्ट्रेस ने जो सेल्फी शेयर की है उसमें वह एक रंगीन स्ट्राइप्ड व्हाइट कलर की शर्ट पहने हुए नजर आ रही हैं। वहीं, शर्ट के नीचे उन्होंने ग्रीन कलर का स्विमसूट पहना है। अपने इस लुक को एक्ट्रेस ने ब्लैक सनग्लासेस के साथ स्टाइल किया है और बालों में बन बनाया है। उनके इस पोस्ट पर बेबो की बहन और एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने भी रिएक्ट किया है। उन्होंने फोटो पर कमेंट करते हुए लिखा है कि हर कोई आपका मंडे चाहता है। वहीं, एक यूजर ने लिखा कि नहीं, यह शनिवार है। दूसरे ने लिखा कि क्या वह केपटाउन में है। तीसरे ने लिखा कि हमेशा की तरह बेस्ट। बता दें कि क्रू के बाद अब एक्ट्रेस जल्द 'द बकिंघम मर्डर्स' में दिखाई देने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है।

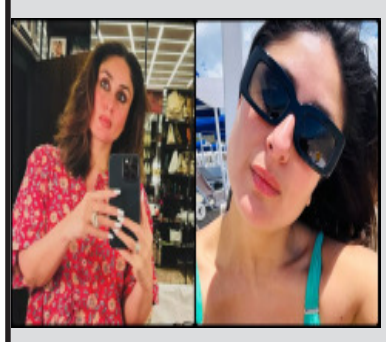

सलमान खान से लेकर सारा अली खान तक, सजधज कर ये सेलेब्स पहुंचे एंटीलिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड राधिका मर्चेंट से 12 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। ऐसे में अंबानी हाउस में वेडिंग फंक्शन्स की शुरुआत हो चुकी हैं। सोमवार यानी 8 जुलाई की शाम एंटीलिया में सितारों के नाम रही। मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की हल्दी समारोह की आयोजन हुआ जिसमें कई सितारों ने शिरकत की। सोशल मीडिया पर सेलेब्स की फोटोज और वीडियो जमकर वायरल हो रही है। बता दें अनंत और राधिका 12 जुलाई को शादी करने वाले हैं । बीते दिनों मामेरू और संगीत सेरेमनी का आयोजन हुआ। वहीं सोमवार यानी 8 जुलाई को इस कपल की हल्दी सेरेमनी हुई। इस खास मौके पर कई फिल्मी सितारे भी शामिल हुए। आइए देखते हैं कि कौन-कौन अनंत और राधिका की हल्दी सेरेमनी में शामिल हुआ। हअनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के फंक्शन में अभिनेता सलमान खान शामिल न हो। ऐसा हो ही नहीं सकता। संगीत सेरेमनी के बाद सलमान खान को सोमवार हल्दी सेरेमनी में देखा गया। इस मौके पर अभिनेता ब्लैक कलर के पठानी कुर्ते पजामे में नजर आए। सारा अली खान भी अपने दोस्त अनंत और राधिका की हल्दी सेरेमनी में शामिल हुई। इस मौके पर एक्ट्रेस गुजराती स्टाइल में लहंगा पहने नजर आई, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अनन्या पांडे हल्दी सेरेमनी में बेबी पिंक कलर के अनारकली सूट में बेहद प्यारी दिखीं। इस लुक के साथ उन्होंने गोल्डन मांग टीका और कानों में बड़े इयररिंग पहने हुए थे। आकाश अंबानी और मुकेश अंबानी ने भी पैपराजी को पोज दिए। इस मौके पर पिता और बेटे कुर्ते पजामे में नजर आए। 90 के दशक के मशहूर सिंगर उदित नारायण पतने दीपा के साथ अनंत और राधिका की हल्दी सेरेमनी में शामिल हुए। अभिनेता अर्जुन कपूर भी इस फंक्शन में शामिल हुए। इस मौके पर रेड और गोल्डन कलर के कुर्ते पजामे में दिखाई दिए। बता दें, अनंत और राधिका 12 जुलाई को जियो गार्डन में सात फेरे लेंगे। शादी के एक दिन बाद यानी 14 जुलाई को इस कपल का वेडिंग रिसेप्शन होगा।

लौट आए हैं भैयाजी 'मुन्ना भैया' स्टाइल में दिव्येंदु शर्मा ने ली एंट्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'मिर्जापुर' में लोगों के डरा धमकाकर अपना भौकाल

दिखाने वाले 'मुनन भैया' को इस सीजन में लोग काफी मिस कर रहे हैं। शो के दूसरे सीजन में उनकी मौत हो गई और तीसरे सीजन की शुरुआत ही उनके अंत से हुई। मिर्जापुर 3 में फैंस दिव्येंदु शर्मा को काफी मिस कर रहे हैं, लेकिन एक्टर एक बार फिर मुनन भैया स्टाइल में सामने आए हैं। दिव्येंदु शर्मा ने मिर्जापुर शो से गजब की पॉपुलैरिटी हासिल की। उनका कैरेक्टर मुनन भैया काफी फेमस हुआ। ग्रे शेड कैरेक्टर होने के बावजूद लोगों को दिव्येंदु शर्मा की एक्टिंग काफी पसंद आई। हालांकि मिर्जापुर शो के तीसरे सीजन में वह नहीं दिखे। फैंस को उनकी कमी खली। इस बीच उनका एक नया वीडियो सामने आया है । दिव्येंदु शर्मा सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग एन्जॉय करते हैं। 'मिर्जापुर' सीरीज से उन्हें जबरदस्त लोकप्रियता हासिल हुई। शो के सीजन 2 में उनकी मौत दिखाई गई और तीसरे सीजन में फैंस को उनकी कमी खल रही है। लेकिन वह अपने फैंस के लिए एक बार फिर उसी अंदाज में वापस आए हैं। 'मिर्जापुर' के उसी ठाट- बाट वाले रुतबे में दिव्येंदु शर्मा ने मुनन भैया बनकर वापसी की है। दरअसल, दिव्येंदु शर्मा ने बाइक का विज्ञापन किया है। इस ऐड में वह मुनन भैया की तरह ड्रेसअप होकर उनके ही अंदाज में बात करते हुए नजर आ रहे हैं। पेट्रोल पंप पर खड़े होकर वह स्टाफ को डांट लगाते नजर आ रहे हैं।

कृतिका मलिक के पति की वजह से परेशान हुए सिंगर अरमान मलिक, बोले- मेरा उससे कोई लेना-देना नही

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 3 के कंटेस्टेंट अरमान मलिक अपने पहले दिन से सुखिर्यो में बने हुए हैं। शो में आते हुए वह अपनी दोनों पतिन्यों को लेकर लाइमलाइट में थे, तो अब यूट्यूबर विशाल पांडे को थप्पड़ मारने की वजह से चर्चा में आ गए हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, वह सोशल मीडिया पर ट्रेंड भी कर रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 इस समय काफी सुखिर्यो में बना हुआ है। जब से अरमान मलिक ने विशाल पांडे को थप्पड़ मारा है। वह हर जगह ट्रेंड हो रहे हैं। ऐसे में अब सिंगर अरमान मलिक ने भी उन्हें लेकर लोगों अपील की है। दरअसल यूजर्स उनका नाम लेकर कन्फूज हो रहे हैं और यूट्यूबर की जगह सिंगर को टैग कर रहे हैं। बिग बॉस के इस कंटेस्टेंट से अब बॉलीवुड के जाने-माने सिंगर अरमान मलिक भी परेशान हो गए हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट करके इसकी वजह भी बताई है। दरअसल, बिग बॉस ओटीटी 3 के कंटेस्टेंट और सिंगर दोनों का ही नाम अरमान मलिक है। ऐसे में यूजर्स उन्हें लेकर थोड़ा कंफ्यूज हो गए हैं और सोशल मीडिया पर कंटेस्टेंट की जगह सिंगर को टैग कर रहे हैं। अब सिंगर अरमान मलिक ने पोस्ट करके बताया है कि इस कन्फूजन की वजह से उनकी रेपुटेशन पर गलत असर पड़ रहा है। सिंगर अरमान मलिक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट की शुरुआत में उन्होंने लिखा कि सभी को नमस्कार, मैं कुछ समय से एक मुद्दे को नजरअंदाज करने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन अब यह हाथ से निकलता हुआ लग रहा है और मुझे इसे संबोधित करना होगा। एक यूट्यूबर क्रिएटर, जिन्हें पहले संदीप नाम से जाना जाता था, बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर अरमान मलिक रख लिया और अब वह बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 में है। उनके नाम से बहुत भ्रम पैदा हो रहा है, कई लोग गलती से मुझे टैग कर रहे हैं और मान रहे हैं कि हम एक ही इंसान हैं।इसके आगे उन्होंने लिखा कि मैं बहुत स्पष्ट होना चाहता हूं कि मेरा इस इंसान से कोई संबंध नहीं है और मैं किसी भी तरह से उसका या उसकी लाइफस्टाइल का समर्थन नहीं करता हूं। यह स्टीटुएशन मेरी रेपुटेशन को नुकसान पहुंचा रही है और इतने सारे लोगों को गुमराह कर रही है, जिन्होंने सालों से मेरा समर्थन किया है। मैं किसी को अपना नाम बदलने और मेरे जैसा नाम अपनाने से नहीं रोक सकता, मैं अपने समुदाय से अनुरोध करता हूं कि वे मुझे इससे उबरने में मदद करें। प्लीज उससे रिलेटेड किसी भी पोस्ट में मुझे टैग न करें। आपकी समझ और समर्थन के लिए धन्यवाद। अरमान मलिक।

लड़खड़ा रहे हैं प्रभास की 'कल्कि' के कदम सोमवार की कमाई जानकर होंगे हैरान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत काफी अच्छी हुई थी। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी ये फिल्म सिर्फ प्रभास के करियर के लिए ही नहीं, बल्कि दीपिका पादुकोण से लेकर अमिताभ बच्चन के लिए भी उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट बनी है। प्रभास के लिए साल 2024 की शुरुआत अच्छी हुई है। उनकी फिल्म कल्कि 2898 एडी ने 11 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर खूब तहलका मचाया। हालांकि सिनेमाघरों में रिलीज होने के 11 दिन बाद सोमवार को दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन स्टारर इस फिल्म का कलेक्शन 70 परसेंट गिर गया है। फिल्म ने सोमवार को महज इतनी कमाई की। चंद दिनों के अंदर ही इस फ्यूचरिस्टिक फिल्म ने जहां हिंदी भाषा में 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया, तो वहीं दुनियाभर में मूवी ने 1000 करोड़ की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए हैं। 11 दिनों तक ताबड़तोड़ कमाई करने वाली कल्कि 2898 एडी के कदम अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर डगमगाते दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि सोमवार को फिल्म का कलेक्शन काफी हद तक गिर गया है। अमिताभ बच्चन और प्रभास स्टारर 'कल्कि 2898 एडी' में जो चीज लोगों को सबसे अधिक पसंद आ रही है, वह है इसके वीएफएक्स और मूवी की कहानी। पहले ही दिन 95 करोड़ से ओपनिंग करने वाली इस मूवी ने कार्तिक आर्यन की 'चंदू चैंपियन' से लेकर 'मुंज्या' तक की बॉक्स ऑफिस पर हालत खस्ता कर दी और एक के बाद एक रिकॉर्ड बनाती गयी। हालांकि, अब रिलीज का दूसरा सोमवार कल्कि के लिए कुछ खास नहीं रहा है, क्योंकि फिल्म का कलेक्शन धड़ाम हुआ। सैकनलिक.कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलीज के 12वें दिन प्रभास की फिल्म का कलेक्शन 22.5 करोड़ से सीधा 6.5 करोड़ पर आ गिरा है, तो वहीं तेलुगु भाषा में भी मूवी 16.5 करोड़ से सीधा 3.5 करोड़ पर आ गयी। इसके अलावा तमिल-तेलुगु और कनन्ड़ में मूवी हर दिन महज लाखों में कमाई कर रही है। डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर कल्कि के कलेक्शन की बात करें तो हिंदी में फिल्म ने टोटल 218.9 करोड़, तेलुगु में 249.05 करोड़, तमिल में 30.5 करोड़, मलयालम में 18.8 करोड़ और कनन्ड़ भाषा में 4.15 करोड़ तक का बिजनेस किया है। कल्कि 2898 एडी ने इंडिया में अब तक टोटल नेट कलेक्शन 521.4 करोड़ का कर लिया है और 600 करोड़ की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए हैं, जबकि ग्रॉस देखा गए तो ये फिल्म इंडिया में 607.2 करोड़ के पार हो चुकी है। नाग अश्विन की इस मूवी की कहानी के बारे में बात करें तो ये फिल्म महाभारत से 6000 साल के बाद के उस समय को दर्शाता है, जब अधर्म अपने चरम पर होगा, तो कल्कि का जन्म होगा। जो राक्षसों का अंत करके एक नए युग का आरंभ करेंगे।

DURGAWATI INTERNATIONAL
School & College Meja, Prayagraj
(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)

Good News Good News

THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!

HOSTEL FACILITY

* AC hostel facilities are available for. the boys from class 3rd onwards.
* Quality food
* Personal care
* 24/7 power backup
* Special tuition classes for hostelers
* Free health checkup per month.
* Infirmary faciliti is also available
* Well equipped laboratories and digital Library

पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट

Admissions OPEN

PG to IX, XI
(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)

SCHOOL FACILITIES

* Affordable fee & High-tech infrastructure.
* Spacious and colorful classrooms.
* Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
* Free personality development.
* English spoken classes for each student.
* RO water and CCTV facilities.
* Pick and drop facilities with full safety.
* Trained PE Teacher along with
* Spacious playground

Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)

Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

लॉस एंजिल्स में टेकऑफ करते ही निकल गया विमान का पहिया, बाल-बाल बचे 174 यात्री

एंजिल्स। अमेरिका के लॉस एंजिल्स से कल उड़ान भरने वाले यूनाइटेड एयरलाइंस के विमान का पहला पहिया निकल गया। हालांकि बाद में विमान को डेनवर में सुरक्षित रूप से उतारा गया, एयरलाइन ने इसकी जानकारी दी है। यूनाइटेड कंपनी ने एक बयान में इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा, जमीन पर या फ्लाइट 1001 पर किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अमेरिका में सोमवार को बड़ा हादसा टल गया। अमेरिका के लॉस एंजिल्स अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से उड़ान भरने के साथ ही यूनाइटेड एयरलाइंस के विमान का पहला टायर निकल गया। विमान को डेनवर में सुरक्षित रूप से उतारा गया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। विमान में 174 यात्री सवार थे। एयरलाइंस कंपनी घटना के कारण का पता लगाने की कोशिश में जुटी है। बयान में आगे कहा गया, 'पहिया लॉस एंजिल्स में बरामद कर लिया गया है और

हम जांच कर रहे हैं कि इस घटना का कारण क्या था।' बोइंग 757-200 में 174 यात्री और चालक दल के सात सदस्य सवार थे। वहीं इससे पहले 7 मार्च को भी एक इस तरह की घटना सामने आई थी। 7 मार्च को, यूनाइटेड बोइंग 777-200 जेट का सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरने के बाद हवा में एक टायर टूट गया। फिर इसे एयरपोर्ट के कर्मचारी पार्किंग स्थल में एक कार पर उतरा गया। इस घटना में भी किसी के हताहत होने की कोई जानकारी सामने नहीं आई थी। बता दें कि कंपनी की ओर से जल्द से जल्द दूसरे एयरक्राफ्ट की व्यवस्था की गई थी, जिससे सभी यात्रियों को सुरक्षा पूर्वक ओसाका भेजा गया। 777-200 के दो मुख्य लैंडिंग गियर स्ट्रट्स में से प्रत्येक पर छह टायर हैं। विमान को लापता या क्षतिग्रस्त टायरों के साथ सुरक्षित रूप से उतरने के लिए डिजाइन किया गया है।

तूफान बेरिल ने टेक्सास के तटीय हिस्सों में मचाई तबाही, दो लोगों की मौत; 20 लाख घरों की बिजली गुल

टेक्सास। तूफान बेरिल ने सोमवार को तड़के टेक्सास के तटीय शहर माटागोर्डा में तेज हवाओं व भारी बारिश के साथ तबाही मचाई है। अमेरिकी राष्ट्रीय तूफान केंद्र (एनएचसी) ने बताया है कि मौसम का श्रेणी 5 तूफान पहले कैरिबियन के कुछ हिस्सों में तबाही मचाई थी, अब इसके तेजी से कमजोर होने की उम्मीद है। तूफान बेरिल ने टेक्सास के ह्यूस्टन शहर में भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ तबाही मचाई है। यहां बेरिल तूफान और मूसलाधार बारिश के कारण दो लोगों की मौत हो गई। वहीं तेल बंदरगाह बंद कर दिए गए जबकि कई उड़ानों को रोक दिया गया। दक्षिण-पूर्व टेक्सास में 20 लाख से ज्यादा घरों में पावर कट के कारण बिजली चली गई। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश के कारण

सोमवार को कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। तूफान के कारण महत्वपूर्ण तेल बंदरगाहों को बंद कर दिया गया और 1300 से अधिक उड़ानें रद कर दी गई। दक्षिण-पूर्व टेक्सास में 20 लाख से अधिक घरों और व्यवसायों की बिजली गुल हो गई। पिछले सप्ताह जमैका, ग्रेनेडा और सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में तूफान बेरिल भारी तबाही मचाई थी, जहां कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई थी और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया था। तूफान, वर्तमान में ह्यूस्टन के दक्षिण-पश्चिम में लगभग 70 मील की दूरी पर 12 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रहा है। मंगलवार और बुधवार को लोअर मिसिसिपी घाटी और फिर ओहियो घाटी की ओर बढ़ने से पहले पूर्वी टेक्सास इसका असर दिखाई देगा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं
आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।